RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः29 , शुक्रवार, 13 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8

9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन, 11 सूत्रीय मांगों को लेकर जताया आक्रोश 03

कृत्रिम किल्लत पैदा करने वालों पर होगी प्राथमिकी : उपमुख्यमंत्री 04

सलमान खान के साथ जमेगी अब नयनतारा की जोड़ी 07

संक्षिप्त समाचार

इजरायल ने ईरान में न्यूक्लियर कंपाउंड उड़ाया, तेहरान में छाया काला धुआँ

तेलअवीव/नईदिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहा संघर्ष तेजी से गंभीर संकट में बदल गया है। यह युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ, जब अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान में कई जगहों पर हवाई हमले किए। इसी बीच गुरुवार को इजराइल ने ईरान के तालेकान न्यूक्लियर कंपाउंड पर हमला किया। इस दौरान

तेहरान में जोरदार धमाके हुए। मीडिया के अनुसार शहर के पश्चिमी हिस्से से धुआं उठता दिखाई दिया। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका या इजरायल ने फारस की खाड़ी में स्थित ईरानी द्वीपों पर हमला किया तो तेहरान कोई संयम नहीं रखेगा। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 13वां दिन है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटाए जा सकेंगे ज्ञानेश कुमार?

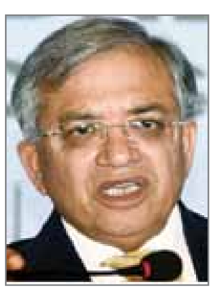

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए 200 से अधिक सांसदों ने एक नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे कल संसद के किसी एक सदन को सौंपा जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, विपक्षी नेताओं ने कुमार पर सात आरोप लगाए गए हैं।

लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने एक नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की गई है। एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

पीएम किसान की 22वीं किस्त

- किसानों के खाते में आएंगे आज 2000 रुपये

नईदिल्ली (एजेंसी)। पीएम किसान योजना की 22वीं किस्त का इंतजार कर रहे करोड़ों किसानों का इंतजार खत्म होने वाला है। प्रधानमंत्री नरंद्र मोदी, पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त शुक्रवार (13 मार्च) को असम से जारी करेंगे।

- अविश्वास प्रस्ताव पर स्पीकर ने कहा

लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष जरूरी, नेता प्रतिपक्ष को कभी नहीं रोका; नियम सबसे ऊपर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर दो दिनों तक चली चर्चा के बाद स्पीकर ओम बिरला पहली बार आसन पर पहुंचे और सदन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष जरूरी है और किसी भी नेता, यहां तक कि प्रधानमंत्री भी, संसद के नियमों से ऊपर नहीं हैं।

लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद आज पहली बार आसन पर आए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष का होना अत्यंत आवश्यक है और नेता प्रतिपक्ष को कभी नहीं रोका गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संसद के नियम सर्वोपरि हैं और कोई भी व्यक्ति नियम से ऊपर नहीं है, चाहे वह प्रधानमंत्री ही क्यों न हों।

ईरानी बारुदी सुरंगों के खौफ से डरी पाक नौसेना, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में नहीं रखा कदम, खुद कबूला सच

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य के पास फंसे अपने मालवाहक जहाजों को एस्कॉर्ट करने से पीछे हट गई है। उसने खुद स्वीकार किया है कि वह इसके लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को न तो पार करेगी और ना ही फारस की खाड़ी में कोई अभियान चलाएगी। इसके इतर, पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज अरब सागर में ही रुके रहेंगे। माना जा रहा है कि पाकिस्तानी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के बारूदी सुरंगों से डर गई है। अमेरिका ने दावा किया है कि ईरान ने इस इलाके को समुद्री बारूदी सुरंगों से पाट दिया है, जिससे न सिर्फ युद्धपोतों बल्कि मालवाहक जहाजों के लिए भी खतरा बढ़ गया है।

- एलपीजी को लेकर संसद के अंदर तकरार, बाहर नारेबाजी

नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में गुरुवार को विपक्ष के सांसदों ने देश में सिलेंडर संकट के मुद्दे पर हंगामा किया। सांसदों ने संसद के बाहर 'नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब' के नारे लगाए।

राहुल गांधी ने सरकार से एलपीजी की कमी से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने एनर्जी सिक्योरिटी से समझौता किया, इसलिए बड़ी समस्या आने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल गांधी के नोटिस के बाद संसद गैस संकट पर चर्चा के लिए तैयार हो गई है। इससे पहले लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला 10 फरवरी के बाद अध्यक्ष की चेयर पर बैठे। विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव बुधवार को खारिज हो गया।

संसद की सीढ़ियों पर बैठ कर विपक्ष ने चाय बिस्कुट खाया- राहुल गांधी समेत विपक्ष के सांसदों ने देश में एलपीजी संकट पर संसद परिसर में प्रदर्शन किया। 50 से ज्यादा सांसद मौजूद थे। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने प्रदर्शन के दौरान संसद परिसर की सीढ़ियों पर विपक्षी सांसदों के साथ बैठकर चाय और बिस्किट खाए।

- ईरान जंग के बीच भारत को मिली सफलता

खतरनाक हॉर्मुज़ से तेल लेकर मुंबई पहुँचा टैंकर

- भारतीय कैप्टन के हाथों में थी कमान, भारत और ईरान की 3 दिनों की चर्चा के बाद मिली सफलता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर आया लाइबेरियाई ध्वज वाला टैंकर ईरान की अनुमति से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर सुरक्षित रूप से मुंबई पोर्ट पहुंच गया। भारत सरकार क्षेत्र में मौजूद भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षा पर लगातार नजर रखे हुए है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच एक लाइबेरियाई ध्वज वाला कच्चे तेल का टैंकर, जिसकी कमान एक भारतीय कप्तान के हाथ में थी, रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर सुरक्षित रूप से मुंबई बंदरगाह पहुंच गया। मीडिया सूत्रों के अनुसार यह टैंकर सऊदी अरब के रास तनुरा बंदरगाह से कच्चा तेल लेकर आया था।

जयशंकर की ईरान के विदेश मंत्री से जहाजों की सुरक्षा पर हुई थी चर्चा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री के बीच हाल के दिनों में तीन बार बातचीत हुई है। पिछली बातचीत में शिपिंग की सेफ्टी और इंडिया की एनर्जी सिक्योरिटी से जुड़े मुद्दों पर बात हुई थी। इसके अलावा मेरे लिए कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। जायसवाल ने कहा कि हमारे विदेश मंत्री अपने ईरानी काउंटरपार्ट से बात कर रहे हैं और पिछले कुछ दिनों में तीन बार बातचीत हुई है। जहां तक युद्ध के असर की बात है, तो यह सबके सामने है कि आस-पास क्या हो रहा है। हम में से कई लोगों की जिंदगी पर इसका असर पड़ा है, सिर्फ हमारी ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के लोगों और देशों पर इसका असर पड़ा है।

पीएम मोदी ने गल्फ लीडर्स से की बात- रणधीर जायसवाल ने बताया कि लड़ाई शुरू होने के बाद प्राइम मिनिस्टर ने गल्फ में कई लीडर्स से बात की है। इन बातचीत में, उन्होंने बातचीत और डिप्लोमेसी की जरूरत पर जोर दिया ताकि जल्दी शांति लौट सके।

भारतीय नागरिकों की भी मदद कर रहे हैं : विदेश मंत्रालय- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हम उन भारतीय नागरिकों की भी मदद कर रहे हैं जो अजरबैजान और आर्मेनिया जाना चाहते हैं और वहां से कमर्शियल फ्लाइट्स लेकर घर लौटना चाहते हैं। हम मदद कर रहे हैं उन्हें वीजा दिया जा रहा है। हम उन्हें जमीनी बॉर्डर पार करने में भी मदद कर रहे हैं।

एनडीए शासन में बिहार विकास के सभी सूचकांकों में पिछड़ा : तेजस्वी यादव

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की मौजूदा स्थिति को लेकर एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार एक अनोखा प्रदेश बन गया है, जहां वर्षों से डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद विकास के अधिकांश सूचकांकों में राज्य देश में सबसे पीछे है। तेजस्वी यादव ने अपने बयान में कहा कि देश का सबसे गरीब राज्य बिहार है। यहां से सबसे अधिक मजदूरों का पलायन होता है। इसके साथ ही अपराध, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के मामलों में भी बिहार शीर्ष राज्यों में गिना जाता है। उन्होंने कहा कि बहुआयामी गरीबी और स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की संख्या भी बिहार में सबसे अधिक है, जो सरकार की नीतियों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि शिक्षा और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी बिहार की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि साक्षरता दर, प्रति व्यक्ति आय, किसानों की आय, प्रति व्यक्ति निवेश और प्रति व्यक्ति उपभोग जैसे महत्वपूर्ण मानकों में बिहार देश में सबसे नीचे है। इसके अलावा कंप्यूटर साक्षरता, बिजली खपत, बुनियादी सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और औद्योगिक इकाइयों की संख्या के मामले में भी राज्य पिछड़ा हुआ है। तेजस्वी यादव ने कहा कि स्कूलों में कंप्यूटर और आईसीटी लैब की कमी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की कमजोर स्थिति तथा औद्योगिक विकास की धीमी गति ने राज्य की प्रगति को प्रभावित किया है। उनके अनुसार विकास के लगभग सभी प्रमुख सूचकांकों में बिहार पिछड़ा हुआ दिखाई देता है। उन्होंने यह भी कहा कि आम लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है। बिहार के लोग महंगी रसोई गैस, महंगी बिजली और महंगे पेट्रोल-डीजल खरीदने को मजबूर हैं। साथ ही कई शहरों में जमीन और प्रॉपर्टी की कीमतें भी काफी अधिक हैं। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि पिछले 21 वर्षों से राज्य में एनडीए की सरकार होने के बावजूद इन समस्याओं के लिए किसी की जवाबदेही तय नहीं की गई। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोग विकास के मुद्दों पर जवाब देने के बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप, प्रशासनिक तंत्र के दुरुपयोग और जातीय समीकरणों के सहारे सत्ता का लाभ उठा रहे हैं।

संसद में बोले केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी

देश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं

- लंबे संघर्ष की स्थिति में भी नहीं होगी दिक्कत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एलपीजी संकट पर लोकसभा में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत 40 देशों से क्रूड ऑयल ले रहा है। गैस-सिलेंडर पर पैनिक होने की कोई बात नहीं है।

हरदीप सिंह पुरी ने लोकसभा में वेस्ट एशिया संकट पर कहा कि एनर्जी के इतिहास में दुनिया ने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। होर्मुज स्ट्रेट को इतिहास में पहली बार कमर्शियल शिपिंग के लिए बंद कर दिया गया। संघर्ष पैदा करने में कोई भूमिका नहीं है, भारत को इसके नतीजों से निपटना होगा। भारत की क्रूड ऑयल सप्लाई की स्थिति सुरक्षित है।

एलपीजी का प्रोडक्शन 28 प्रतिशत बढ़ा दिया गया

हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पिछले पांच दिनों में, रिफाइनरी के निर्देशों के जरिए एलपीजी का प्रोडक्शन 28 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है और असल में आगे की खरीद चल रही है। मोदी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता यह है कि भारत के 33 करोड़ परिवारों, खासकर गरीबों और जरूरतमंदों की रसोई में किसी भी तरह की कमी न हो। घरेलू सप्लाई पूरी तरह से सुरक्षित है और डिलीवरी साइकिल में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

कालाबाजारी रोकने आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू- इधर, केंद्र सरकार ने गैस समेत जरूरी चीजों की जमाखोरी रोक ने लिए देशभर में 'आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955' लागू कर दिया है। अब गैस को 4 कैटेगरी में बांटा जाएगा।

ऊर्जा संकट पर बहस : राहुल ने संसद में उठाया एलपीजी और तेल संकट का मुद्दा, एपस्टीन का नाम लेते ही हंगामा

लोकसभा में गुरुवार को ईरान-इस्राइल युद्ध के चलते पैदा हुए उर्जा संकट पर राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने ईरान युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद है। देश में एलपीजी को लेकर संकट है। स्ट्रीट वेंडर्स पर ज्यादा प्रभाव पड़ा है। वहीं एपस्टीन का नाम लेते ही संसद में हंगामा हो गया। अमेरिका कौन होता है हमें यह बताने वाला कि हम किससे तेल खरीदेंगे, किससे गैस खरीदेंगे? छोटे व्यापारी परेशान हो रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि मुश्किलें अभी बस शुरू हुई हैं। रेस्तरां बंद हो रहे हैं। एलपीजी को लेकर लोगों में घबराहट फैल रही है। सड़क पर सामान बेचने वाले लोग प्रभावित हो रहे हैं और जैसा मैंने कहा, यह सिर्फ शुरुआत है। किसी भी देश की बुनियाद उसकी ऊर्जा सुरक्षा होती है और मैं यह बात हल्के में नहीं कह रहा हूं, लेकिन अमेरिका को यह तय करने देना कि हम तेल किससे खरीदेंगे, गैस किससे खरीदेंगे, क्या हम रूस से तेल खरीद सकते हैं या नहीं और अलग-अलग तेल आपूर्तिकर्ता देशों के साथ हमारे संबंध कैसे होंगे, यह सब मानो सौदे में दे दिया गया है।

बीएमएसआईसीएल के उप महाप्रबंधक के ठिकानों पर विशेष सतर्कता इकाई की छापेमारी

त्रिभुवन कुमार

पटना। स्पेशल विजिलेंस यूनिट (विशेष सतर्कता इकाई) ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड) के उप महाप्रबंधक (परियोजना) पंकज कुमार के आवास और कार्यालय में छापेमारी की। इस कार्रवाई में 32 लाख रुपये नकद तथा लगभग 1 करोड़ 31 लाख रुपये मूल्य के हीरा, सोना और चांदी के आभूषण बरामद किए गए। विशेष सतर्कता इकाई द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पंकज कुमार के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में कांड संख्या 10/2026 दिनांक 11 मार्च 2026 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड में उप महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत पंकज कुमार ने लगभग 13 वर्षों की सेवा अवधि के दौरान अपने ज्ञात आय स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है। जांच में करीब 96 लाख 46 हजार 666 रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित करने के प्रमाण मिले हैं। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद न्यायालय से प्राप्त तलाशी वारंट

के आधार पर 12 मार्च को विशेष सतर्कता इकाई की टीम ने पटना स्थित उनके कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया। इनमें कदमकुआं स्थित कोनिका मेहर अपार्टमेंट का आवास, रानीघाट के सुमति पथ स्थित मकान तथा पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में स्थित बीएमएसआईसीएल कार्यालय शामिल हैं। छापेमारी के

- 32 लाख नकद व 1.31 करोड़ के आभूषण बरामद

दौरान अभियुक्त के आवास से 32 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। विशेष सतर्कता इकाई के अनुसार तलाशी के समय अभियुक्त ने नकदी और सोने के आभूषणों को फेंककर छिपाने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें जब्त कर लिया। बरामद आभूषणों की कुल कीमत लगभग 1 करोड़ 31 लाख रुपये आंकी गई है। तलाशी के दौरान अभियुक्त और उसकी पत्नी के नाम पर कई अचल संपत्तियों के दस्तावेज भी प्राप्त हुए हैं। कंकड़बाग के पृथ्वीपुर स्थित शिवम अपार्टमेंट में उनके दो आवास (संख्या 305 और 405) तथा कदमकुआं के कोनिका मेहर अपार्टमेंट में एक आवास (संख्या 105) होने की जानकारी मिली है। इसके अतिरिक्त छापेमारी के दौरान सोने के आभूषणों की खरीद से संबंधित 150 से अधिक रसीदें, विभिन्न वित्तीय संस्थानों में निवेश से जुड़े दस्तावेज तथा बैंक खातों के अभिलेख भी बरामद किए गए हैं। विशेष सतर्कता इकाई के अनुसार जब्त की गई नकदी और आभूषणों के संबंध में अभियुक्त ने स्वीकार किया है कि यह उसकी ही संपत्ति है। मामले में आगे की जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

नौबतपुर में गैस सिलेंडर लेने के लिए उमड़ी भीड़, एजेंसी मालिक बोले - घबराकर पहुंच रहे लोग

पटना। पटना के नौबतपुर प्रखंड में घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर ग्राहकों के बीच घबराहट का माहौल है। गुरुवार सुबह से ही गैस वितरण केंद्रों पर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। कई ग्राहकों को सिलेंडर प्राप्त करने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस लेने के लिए सुबह से ही केंद्रों पर भारी भीड़ उमड़ रही है, जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है। मनीष कुमार, ललन कुमार, मुन्ना खान, अमरेंद्र कुमार और रणधीर यादव जैसे ग्राहकों ने बताया कि उन्हें घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त, सर्वर की समस्या के कारण ओटीपी नहीं आने से वितरण प्रक्रिया धीमी हो रही है।

हालांकि, गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि गैस की कोई कमी नहीं है। आराध्य गैस एजेंसी के संचालक विवेक कुमार ने बताया कि अफवाहों के कारण लोग घबराकर एक साथ केंद्रों पर पहुंच रहे हैं, जिससे भीड़ बढ़ रही है। भीड़ को देखते हुए किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए नौबतपुर थाना में आवेदन भी दिया गया है। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी विनोद कुमार राम ने पुष्टि की है कि क्षेत्र में गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि कुछ लोग अफवाहों के कारण जरूरत से पहले ही गैस लेने केंद्र पर पहुंच रहे हैं। कई उपभोक्ता ऐसे भी हैं जिन्होंने चार दिन पहले ही सिलेंडर लिया था, जबकि गैस लेने की निर्धारित अवधि 25 दिन की है। प्रशासन की ओर से नौबतपुर के सभी गैस केंद्रों पर जाकर लोगों को समझाया जा रहा है कि घबराने की जरूरत नहीं है और अफवाहों पर ध्यान न दें। प्रशासन का लक्ष्य है कि स्थिति को जल्द ही सामान्य किया जाए ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

जदयू कार्यालय के बाहर बक्सर के कार्यकर्ताओं का धरना, बिना डेलीगेट वाले को जिला अध्यक्ष बनाने का आरोप

पटना। JDU के प्रदेश कार्यालय के बाहर गुरुवार को बक्सर जिले के कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष के चुनाव को लेकर जमकर हंगामा किया। नाराज़ कार्यकर्ता कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए और प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी की। पार्टी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बक्सर जिला अध्यक्ष के चयन में संगठनात्मक नियमों की अनदेखी की गई है.. प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं का कहना है कि जिस व्यक्ति को बक्सर जिला अध्यक्ष बनाया गया है, उसके पास एक भी डेलीगेट नहीं है। इसके बावजूद उसे इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी दे दी गई, जिससे कार्यकर्ताओं में भारी नाराज़गी है।

उनका आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई और पक्षपात किया गया। धरने पर बैठे अधिकांश कार्यकर्ता बक्सर के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक सिंह यादव के समर्थक बताए जा रहे हैं। समर्थकों का कहना है कि संगठन में लंबे समय से सक्रिय कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर मनमाने तरीके से निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बात की जाती है, लेकिन जिला अध्यक्ष के चयन में नियमों को नजरअंदाज किया गया। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश नेतृत्व से मांग किया है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि चयन प्रक्रिया में अनियमितता पाई जाती है तो इसे रद्द कर दोबारा चुनाव कराया जाए। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया जाएगा, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। हंगामे की सूचना मिलने के बाद पार्टी के कुछ पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं को समझाने की कोशिश की। हालांकि, नाराज़ कार्यकर्ता काफी देर तक प्रदेश कार्यालय के बाहर धरना देकर अपना विरोध जताते रहे।

बिहार में गर्मी से फिलहाल राहत नहीं, बढ़ेगी उमस, 38-40°C तक जा सकता है तापमान

पटना। बिहार में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला-बदला जरूर नजर आ रहा है, लेकिन उमस भरी गर्मी से फिलहाल राहत मिलने की संभावना कम है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो से तीन दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा। इसके कारण तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो सकती है। कई जिलों में अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि 14 से 16 मार्च के बीच उत्तर और पूर्वी बिहार के कई इलाकों में आंधी, गरज-चमक और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। इससे गर्मी और उमस से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

पटना में बीती रात तेज बारिश हुई, जिससे कुछ समय के लिए मौसम सुहावना हो गया। पिछले कुछ दिनों से बिहार के कई जिलों में आसमान में बादलों की आवाजाही देखी जा रही है। हालांकि, इन बादलों का असर ज्यादा नहीं दिख रहा है। अधिकांश जगहों पर मौसम शुष्क बना हुआ है। दिन में बादलों की वजह से तेज धूप से थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन नमी अधिक होने के कारण उमस ने लोगों को काफी परेशान किया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस समय बिहार में पश्चिमी हवाओं के साथ-साथ बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी भी वातावरण में मौजूद है। नमी और गर्मी के इस मिश्रण से बादल तो बन रहे हैं, लेकिन कोई मजबूत मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं होने के कारण भारी बारिश नहीं हो पा रही। इसी वजह से बादल होने के बावजूद मौसम शुष्क और उमस भरा बना हुआ है।

पांच अपराधी अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार, लूट की योजना बना रहे थे, पुलिस ने प्रिवेंटिव पुलिसिंग से पकड़ा

हाजीपुर। हाजीपुर नगर थाना पुलिस ने लूट की योजना बना रहे पांच अपराधियों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी बूटन दास मठ स्थित आम के बगीचे से हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी अवैध हथियारों के साथ लूट और डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, हाजीपुर सुबोध कुमार के नेतृत्व में नगर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने किशन कुमार उर्फ बेदर्दी, विशाल कुमार, रवि कुमार, गोपी कुमार और मो. इमरान को मौके से गिरफ्तार किया। इनके पास से दो देशी कट्टे और दो जिंदा कारतूस सहित अन्य अवैध सामान बरामद किए गए।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि वे आपराधिक घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से एकत्रित हुए थे। वैशाली पुलिस ने 'प्रिवेंटिव पुलिसिंग' के तहत घटना को अंजाम देने से पहले ही उन्हें गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों ने नगर थाना क्षेत्र में लगभग 7-8 चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता भी स्वीकार की है। इस संबंध में नगर थाना कांड संख्या-219/26 दर्ज किया गया है। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है और पुलिस उनके आपराधिक इतिहास का पता लगा रही है। पुलिस की बरामद की गई सामानों में दो देसी कट्टे, दो जिंदा कारतूस, दो चाकू, दो पेचकस, एक लोहे का रुखानी, दो स्लाइड रिंच, तीन सिम कार्ड, 52,853 रुपए नगद, दो आईफोन, चार मोबाइल फोन, एक डिजिटल कैमरा, दो जोड़ी सोने जैसे कंगन, दो जोड़ी चांदी के बच्चे के बाला, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू, एक ब्लूटूथ हेडफोन, एक छोटा चांदी का चम्मच, चार चांदी के बच्चे के बाला, दो जोड़ी चांदी के पायल और तीन जोड़ी चांदी की बिछिया शामिल हैं।

'हर जिले में भू-माफिया की लिस्ट होगी रेडी', 78 बालू घाटों की नीलामी के आदेश

सीमा पर सीसीटीवी निगरानी: विजय सिन्हा

एजेंसी, पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह खान एवं भूतत्व विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने विभाग के 100 दिनों के कार्यकाल को लेकर पीसी की। इस दौरान उन्होंने अवैध खनन, भूमाफिया और बालू माफिया के खिलाफ सरकार की सख्त कार्रवाई का संकेत दिया। उन्होंने कहा, नई सरकार नई पहल के साथ काम कर रही है। खनन विभाग को पारदर्शी और सख्त व्यवस्था की ओर ले जाया जा रहा है।

हर जिले में भूमाफिया की लिस्ट तैयारः डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि राज्य के हर जिले में भूमाफियाओं की सूची तैयार कर ली गई है। उन्होंने कहा कि कई माफिया अवैध कमाई को जमीन में निवेश करते हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उनके पास भूमि राजस्व विभाग की भी जिम्मेदारी है, इसलिए भूमाफिया और जमीन माफियाओं की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पर्व-त्योहार में मिट्टी और बालू पर नहीं होगी रोकः इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्व-त्योहार के समय यदि कोई व्यक्ति पूजा या अन्य कार्यों के लिए मिट्टी या बालू ले जाता है तो उसे परेशान नहीं किया जाएगा। इसके लिए विभाग ने अधिकारियों को निर्देश भी दे दिए हैं। बिना खनन विभाग के आदेश के सड़क पर पुलिस किसी वाहन को रोककर जांच नहीं करेगी। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कुछ जगहों पर सड़क पर रोककर वसूली की शिकायतें सामने आई हैं, जिन्हें रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे।

खनिज वाहनों के लिए ट्रांजिट पास अनिवार्यः विजय सिन्हा ने कहा कि अन्य राज्यों से बिहार आने वाले खनिज से लदे वाहनों के लिए ट्रांजिट पास अनिवार्य किया जाएगा। राज्य की सीमाओं पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की व्यवस्था की जाएगी, ताकि अवैध खनिज परिवहन पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

78 बालू घाटों की नीलामी का आदेशः उन्होंने बताया कि राज्य में 78 बालू घाटों की नीलामी का आदेश जारी किया जा चुका है। कई घाटों को ठेकेदारों ने एक साल पूरा होने से पहले ही लौटा दिया है। कुछ लोगों ने अवैध उत्खनन के इरादे से ज्यादा बोली लगाई थी, लेकिन अब सख्ती के कारण उन्हें नुकसान हो रहा है, इसलिए घाट वापस कर रहे हैं। ऐसे मामलों में संबंधित लोगों की राशि जब्त की जाएगी और उन्हें भविष्य के किसी भी टेंडर में शामिल नहीं होने दिया जाएगा।

जल्द शुरू होगा स्टोन चिप्स का खननः डिप्टी सीएम ने बताया कि बिहार में जल्द ही स्टोन चिप्स का खनन शुरू किया जाएगा। फिलहाल राज्य में दूसरे राज्यों से स्टोन चिप्स मंगाए जाते हैं, लेकिन सरकार चाहती है कि इसका उत्पादन राज्य के भीतर ही हो। अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए विभाग ने 400 पुलिस बल की नियुक्ति की है। इसके अलावा सीमाओं और संवेदनशील इलाकों में निगरानी भी बढ़ाई जा रही है।

71 खनन योद्धाओं को किया सम्मानितः प्रेसवार्ता के दौरान विजय सिन्हा ने विभाग के 71 खनन योद्धाओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने बताया कि इन अधिकारियों और कर्मियों की सक्रियता के कारण ओवरलोडिंग और अवैध खनन में शामिल कई वाहनों को पकड़ा गया है। पिछले वर्ष खनन विभाग ने 3500 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त किया था। इस वर्ष विभाग ने 3800 करोड़ रुपये का लक्ष्य तय किया है और उन्हें भरोसा है कि यह लक्ष्य पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ बालू माफियाओं ने मिलकर विभाग को दबाव में लाने की कोशिश की थी, लेकिन सरकार किसी भी हालत में माफियाओं के आगे नहीं झुकेगी। बंद पड़े घाटों को फिर से चालू करने के लिए जल्द ही नया टेंडर निकाला जाएगा और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से की जाएगी।

सिलेंडर क्राइसिस, महावीर मंदिर में बचा 1 वीक का स्टॉक, मंदिर प्रबंधन बोला- भोज पर नहीं पड़ेगा कोई असर

पटना। पटना के महावीर मंदिर में हर दिन निःशुल्क दरिद्र नारायण भोज कराया जाता है। हालांकि, सिलेंडर क्राइसिस के कारण मंदिर प्रबंधन को भी परेशानी हो रही है। अभी कॉमर्शियल गैस की बुकिंग पूरी तरह से बंद कर दी गई है। मंदिर के पास बस एक हफ्ते का ही स्टॉक बचा है। मंदिर प्रबंधन की ओर से कहा गया है कि महावीर मंदिर में आने वाले भक्तों को नवैद्यम प्रसाद और गरीबों को दरिद्र नारायण भोज अपने नियमित समय पर मिलता रहेगा। उसे हम प्रभावित नहीं होने देंगे। महावीर मंदिर प्रशासन की ओर से कहा गया है कि हमारे पास कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का अभी एक हफ्ते का स्टॉक बचा हुआ है। इसके बाद हम लोग लकड़ी और कोयला पर शिफ्ट करेंगे, लेकिन भोजन बंद नहीं होगा। इसके अलावा जो नवैद्यम प्रसाद का निर्माण होता है उसमें भी कोई कटौती फिलहाल नहीं की जाएगी। हम लोग इलेक्ट्रिकल या किसी तरह के इंडक्शन की ओर स्विच करेंगे। दरिद्र नारायण भोज सुबह शाम दो टाइम चलता रहेगा, लोग यहां से भूखे पेट वापस नहीं जाएंगे।

रोहिणी बोलीं- प्रधानमंत्री जी, सिलेंडर की किल्लत का जश्न कब होगा

एजेंसी, पटना

ईरान-इजराइल जंग के असर से बिहार में 3 दिन से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की बुकिंग बंद कर दी गई है। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई नहीं होने की वजह से होटल, रेस्टॉरेंट पर काफी असर पड़ रहा है। घरेलू गैस को लेकर भी बिहार के कई जिलों में तीसरे दिन भी लोगों की लंबी कतार दिख रही है। भागलपुर के हबीबपुर थाना क्षेत्र के सरदारपुर में एजेंसी के बाहर सिलेंडर के लिए करीब 500 मीटर लंबी लाइन लगी है।

♦ कांग्रेस का सीएम को लेटर- चूल्हा-चौका संकट में है, कई शहरों में आज भी लंबी लाइन

एजेंसी खुलने का समय सुबह 9 बजे है, लेकिन उससे पहले ही गैस लेने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। गोपालगंज, खगड़िया, औरंगाबाद, पटना समेत कई जिलों में लोग सुबह से ही गैस एजेंसी पहुंचने लगे।

इधर, लालू यादव की बेटी रोहिण आचार्य ने पीएम मोदी पर तंज कसा है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि, सिलेंडर की किल्लत का जश्न कब मनेगा। नालंदा में पुलिस वाले जिप्सी पर सिलेंडर ले जाते दिखे।

वहीं, गैस की किल्लत को लेकर बिहार कांग्रेस ने सीएम नीतीश को लेटर लिखा है। प्रवक्ता आसित नाथ तिवारी ने लिखा- 'यह समस्या सीधे बिहार के लोगों के पेट से जुड़ी हुई है। मुख्यमंत्री जी, चूल्हा-चौका संकट में आ गया है।'

नाराज कांग्रेसियों का पटना में महासम्मेलन 17 मार्च को, कहा- स्लीपर सेल को उजागर करेंगे

एजेंसी, पटना

बिहार कांग्रेस में अपनी ही पार्टी से नाराज चल रहे कांग्रेसी पटना में 17 मार्च को महासम्मेलन करने वाले हैं। इस महासम्मेलन में पूरे राज्य से डेलिगेट्स और अधिकारी आएंगे। बोरिंग रोड के एक उत्सव हॉल में 17 मार्च को महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। पूर्व AICC सदस्य आनंद माधव ने कहा इस महासम्मेलन के लिए 40 पॉलिटिकल जिलों का दौरा किया गया है और हमें उत्साहपूर्वक समर्थन मिला है। जिलों के कांग्रेसी ने हमारा पूरा साथ दिया है। इस महासम्मेलन के लिए पटना भी सजना शुरू हो जाएगा।

कांग्रेस की व्यवस्था और अराजकता से कार्यकर्ता ऊब चुके हैंः उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में बिहार कांग्रेस की व्यवस्था और अराजकता से कार्यकर्ता ऊब चुके हैं। सब के सब बदलाव और एजेंट से मुक्ति चाहते हैं। सत्ता के दलाल ने कांग्रेस को गर्त में ला दिया है। जब सदन में कांग्रेस के चार विधायक थे, तब भी कांग्रेस इतनी लाचार नहीं महसूस कर रही थी जितनी की अब है। हम समर्पित कांग्रेसी एक कोशिश कर रहे हैं, कि बिहार में कांग्रेस जिंदा हो। वे लोग बिहार को कांग्रेस मुक्त करने का सुपारी लेकर आए हैं।

राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का रास्ता बिहार से होकर निकलता हैः बिहार कांग्रेस की हार का कारण टिकट में धांधली के साथ-साथ ऐसे लोगों को नजर अंदाज करना है जो जमीनी स्तर पर काम करते हैं। इसलिए हम लोग प्रयास कर रहे हैं कि कांग्रेस को जीवित रखें। हमारा लक्ष्य 2029 में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है। राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का रास्ता बिहार से होकर निकलता है। वहीं, संगठन सृजन के नाम पर लूट मचाया जा रहा है। पहले कांग्रेस में जुड़ने के लिए 5 रुपए होते थे। उसे बढ़ाकर 10 रुपए किया गया, लेकिन अब 50 रुपए लिए जा रहे हैं।

❑ राहुल गांधी के पीएम बनाने का रास्ता बिहार से होकर गुजरता

इस सम्मेलन में कांग्रेस के स्लीपर सेल को उजागर करेंगेः पूर्व विधायक छत्रपति यादव ने कहा कि हम लोग इस सम्मेलन के माध्यम से राहुल गांधी की पार्टी में स्लीपर सेल को उजागर करेंगे। इस महासम्मेलन के बाद हम लोग दिल्ली भी जाएंगे और वहां पर राहुल गांधी से मुलाकात करेंगे। चुनाव के बाद कांग्रेसी काफी निराश हुए हैं। राजेश राम की वजह से हम लोगों को यह सम्मेलन और जिला का दौरा करना पड़ा है। जब जब कांग्रेसियों पर अत्याचार होगा, हम लोग चुप नहीं रहेंगे। जिलों में कांग्रेसियों ने खुद हमसे आकर संपर्क किया और वर्तमान में बिहार कांग्रेस में चल रही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति के खिलाफ इस महासम्मेलन में शामिल होने की इच्छा जताई है।

रेड पड़ते ही खिड़की से फेंके नोटों के बंडल अधिकारियों ने कचरे से निकाले 5 लाख

एजेंसी, पटना

पटना में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी पंकज कुमार के 3 ठिकानों पर विशेष निगरानी इकाई (SVU) की रेड चल रही है। टीम जैसे ही पंकज कुमार के घर में दाखिल हुई वो खिड़की से नोटों के बंडल फेंकने लगे। टीम ने कचरे के ढेर से 5 लाख रुपए जब्त किए हैं। अब तक की कार्रवाई में 15 लाख कैश जब्त किए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि रेड जारी है ये आंकड़ा बढ़ भी सकता है। पंकज कुमार मूल रूप से मुजफ्फरपुर के कांटी इलाके के रहने वाले हैं। वो बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BMSICL) के DGM (प्रोजेक्ट) हैं। आय से अधिक संपत्ति मामले में गुरुवार को उनके 2 घरों और ऑफिस पर छापेमारी की गई है। SVU टीम ने अहले सुबह लगभग 8 बजे पटना के कदमकुंआ इलाके स्थित कनिका मैहर अपार्टमेंट में छापेमारी की। उस वक्त DGM पंकज कुमार अपने पूरे परिवार के साथ घर पर मौजूद थे। इस दौरान लगभग 96 लाख से अधिक अवैध संपत्ति, जिसनें कैश, गहने, जमीन से संबंधित दस्तावेज और कुछ आर्नामेंट्स बरामद किया गया है। फिलहाल, SVU टीम की जांच जारी है।

96 लाख से अधिक की अवैध संपत्ति बनाने के आरोपः SVU ने पंकज कुमार के खिलाफ कांड संख्या-10/2026 दर्ज किया है। जांच एजेंसी के अनुसार, पंकज कुमार ने अपनी लगभग 11 सालों की सर्विस के दौरान दौरान अलग-अलग पदों पर रहते हुए अवैध रूप से भारी संपत्ति अर्जित की। निगरानी इकाई का आरोप है कि एक लोक सेवक होने के बावजूद उन्होंने भ्रष्टाचार से लगभग 96 लाख 46 हजार 666 रुपए की ऐसी संपत्ति बनाई, जो उनके ज्ञात और वैध आय के स्त्रोतों से कहीं अधिक है।

BMSCIL दफ्तर में SVU टीम कर रही छानबीनः विशेष निगरानी इकाई की 5 सदस्यीय टीम BMSCIL के दफ्तर पहुंच जांच कर रही हैं। SVU की इस टीम को डीएसपी राजकुमार लीड कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में पिछले 1 घंटे से छापेमारी के दौरान कागजातों को खंगाल रही हैं। इसके अलावा पटना के पीएमसीएच के BMSCIL कार्यालय में भी विशेष निगरानी की एक टीम छानबीन कर रही है।

❑ पटना में स्वास्थ्य अधिकारी के घर से 15 लाख मिले

SVU टीम की जांच जारीः इस मामले में विशेष न्यायाधीश, निगरानी, पटना द्वारा तलाशी वारंट जारी किया गया था। इसी के आधार पर गुरुवार को छापेमारी की कार्रवाई शुरू की गई। निगरानी टीम अभी दस्तावेजों, संपत्ति से जुड़े कागजात और अन्य अहम साक्ष्यों की गहन जांच कर रही है। छापेमारी दल का नेतृत्व कर रहे विशेष निगरानी इकाई के डीएसपी संजय वर्मा ने बताया कि, 'डीजीएम पंकज कुमार के तीन ठिकानों पर छापेमारी जारी हैं।'

सहायक अभियंता के पद पर मिली थी नियुक्तिः पंकज कुमार को सहायक अभियंता (Assistant Engineer) के रूप में नियुक्ति मिली थी। लगभग 11 वर्षों तक वह विभिन्न पदों पर रहकर कार्य किया है। विश्वसनीय जानकारी के अनुसार, पटना तथा अन्य स्थानों पर पंकज कुमार और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर कई भूमि/फ्लैट तथा अन्य संपत्तियाँ हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 1,39,00,000/- है, जो भ्रष्ट और अवैध तरीकों से अर्जित की गई हैं।

दानापुर में 2 शराब तस्कर गिरफ्तार, अवैध हथियार-कारतूस और 10 लीटर देसी शराब बरामद

एजेंसी, पटना

दानापुर की शाहपुर पुलिस ने दियारा क्षेत्र से दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से अवैध हथियार, कारतूस और 10 लीटर देसी शराब बरामद की गई है। दानापुर एएसपी शिवम धाकड़ ने यह जानकारी दी।

गिरफ्तार तस्करों की पहचान पतलापुर फूटानी बाजार निवासी आशीष कुमार और सारण जिले के सोनपुर निवासी विनोद महतो के रूप में हुई है। पुलिस ने आशीष के पास से एक देशी कट्टा और विनोद के पास से दो जिंदा कारतूस बरामद किए।

मकई के खेत में दो युवक पकड़ाएः एएसपी धाकड़ ने बताया कि 11 मार्च की शाम करीब 8 बजे पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार, पतलापुर के एक मकई के खेत में दो युवक अवैध हथियारों के साथ शराब बेच रहे थे।

सूचना के सत्यापन के बाद मकसूदपुर टीओपी और शाहपुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम जब मौके पर पहुंची तो दोनों युवक भागने लगे, जिन्हें पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ लिया। मकई के खेत से 15 लीटर के प्लास्टिक के डिब्बे से लगभग 10 लीटर अवैध देशी शराब भी बरामद की गई।

❑ आपराधिक इतिहास खंगाल रही पुलिस

पुलिस आपराधिक इतिहास खंगाल रहीः शाहपुर थाना में कांड संख्या 91/26 दर्ज किया गया है। पुलिस यह पता लगा रही है कि दोनों तस्कर कब से इस धंधे में शामिल थे और उनका आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। फिलहाल, दोनों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

किसानों के लिए 100 प्लस स्टॉल लगे, किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र

एग्रो बिहार-2026

एजेंसी, पटना

पटना के गांधी मैदान में आज से चार दिवसीय एग्रो बिहार-2026 राज्यस्तरीय कृषि यांत्रिकरण मेला शुरू हो गया। 12 से 15 मार्च तक चलने वाले इस मेले का उद्घाटन बिहार के कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने किया। कृषि मंत्री ने कहा, यह आयोजन किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत मशीनों और नई खेती पद्धतियों से परिचित कराने का बड़ा मंच बनेगा। इससे किसानों को खेती की लागत कम करने और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

3.25 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में लगा विशाल मेलाः कृषि मंत्री ने बताया कि लगभग 3.25 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में आयोजित इस मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉलों पर देश-भर की कंपनियां और संस्थान आधुनिक कृषि यंत्रों, उपकरणों और तकनीकों का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मेले में बिहार के साथ-साथ पंजाब, हरियाणा, गुजरात, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कृषि यंत्र निर्माता भी हिस्सा ले रहे हैं। यहां किसान ट्रैक्टर से जुड़े उपकरण, उन्नत बीज बोने की मशीन, हैप्पी सीडर, पावर टिलर, हार्वेस्टर, स्प्रे मशीन और कृषि ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकों को नजदीक से देख सकेंगे।

91 प्रकार के कृषि यंत्रों पर मिलेगा अनुदानः मेले में किसानों को सरकार की कृषि यांत्रिकरण योजना के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस योजना के तहत 91 प्रकार के कृषि यंत्रों पर अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। इस साल से अनुदान की राशि सीधे लाभुक किसानों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जा रही है। किसान यंत्रवार अनुदान की जानकारी विभागीय वेबसाइट, बिहार कृषि मोबाइल एप, जिला कृषि कार्यालय, प्रखंड कृषि कार्यालय या कृषि समन्वयक से प्राप्त कर सकते हैं। सरकार ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अत्यंत पिछड़ा वर्ग के किसानों के लिए अधिक अनुदान का विशेष प्रावधान किया है। वहीं 20 हजार रुपये या उससे कम अनुदान वाले कृषि यंत्रों पर निबंधित गैर-रैयत किसान भी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

❑ उपकरण-तकनीक दिखेंगे, कृषि मंत्री बोले- इससे खेती होगी आसान

किसान पाठशाला में दी जाएगी आधुनिक खेती की जानकारीः मेले में विशेष रूप से किसान पाठशाला का आयोजन किया गया है, जहां कृषि वैज्ञानिक और विशेषज्ञ किसानों को नई तकनीकों, आधुनिक यंत्रों के उपयोग और बेहतर खेती पद्धति की जानकारी देंगे। इसके अलावा राज्य के सभी कृषि महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को भी इस मेले का भ्रमण कराया जाएगा, ताकि उन्हें आधुनिक कृषि उपकरणों और तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान मिल सके।

विभागों की योजनाओं की भी दी जा रही जानकारीः इस मेले में केवल कृषि यंत्र ही नहीं बल्कि कई विभाग भी अपने स्टॉल के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। इनमें खाद्य प्रसंस्करण, पशु एवं मत्स्य संसाधन, गन्ना उद्योग, उद्योग विभाग, सहकारिता विभाग तथा कॉम्फेड शामिल हैं। किसानों को इन विभागों की योजनाओं, सब्सिडी और सरकारी सहायता से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

रक्सौल में LPG गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण, इंडेन गैस के सर्वर में खराबी से बुकिंग प्रभावित

बीएनएम @ मोतिहारी। रक्सौल अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने गुरुवार 12 मार्च 2026 को रक्सौल क्षेत्र में एलपीजी गैस डिस्ट्रीब्यूटरों के कार्यालय और गोदाम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीएसओ रक्सौल, एमओ रक्सौल, एमओ आदापुर तथा रक्सौल थाना के अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण में पाया गया कि भारत गैस और एचपी गैस के बुकिंग सर्वर में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या नहीं है तथा उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी के माध्यम से सामान्य रूप से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। इन एजेंसियों को प्लांट से पहले की तरह ही सिलेंडरों की आपूर्ति मिल रही है। वहीं इंडेन गैस डिस्ट्रीब्यूटर के बुकिंग सर्वर में तकनीकी खराबी पाई गई। पिछले तीन दिनों से सर्वर पूरी तरह ठप रहने के कारण उपभोक्ताओं की बुकिंग नहीं हो पा रही है। साथ ही एजेंसी के पास मैनुअल बुकिंग की व्यवस्था भी नहीं होने से उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त इंडेन गैस की आपूर्ति में भी लगभग 20 प्रतिशत की कमी देखी गई है। पहले डिस्ट्रीब्यूटर को प्रतिदिन लगभग 600 सिलेंडर मिलते थे, जबकि वर्तमान में करीब 450 सिलेंडर ही उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अनुमंडल पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को स्थिति पर लगातार नजर रखने और उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

मोतिहारी में दो प्रतिष्ठानों पर GST की छापेमारी, 60 लाख रुपये जमा

बीएनएम @ मोतिहारी। शहर के दो प्रमुख व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर जीएसटी विभाग ने कर चोरी के आरोप में बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। राज्य कर अपर आयुक्त (प्रशासन), मुजफ्फरपुर के निर्देश पर वाणिज्य कर विभाग की विशेष टीम ने मोतिहारी स्थित आभा इंटरप्राइजेज तथा पावर वर्क कनेक्ट प्रा. लि. प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। छापेमारी के दौरान टीम ने कर चोरी, फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) के दावे तथा बोगस बिलिंग से जुड़े मामलों की जांच की। इस दौरान व्यापारिक लेखा-बही, कर बीजक, बैंक स्टेटमेंट और भौतिक स्टॉक से संबंधित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए। छापेमारी की सूचना मिलते ही शहर के अन्य कारोबारियों में भी हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जांच में करोड़ों रुपये की संभावित कर चोरी का मामला सामने आया है। राज्य कर संयुक्त आयुक्त (प्रभारी) पूर्वी चंपारण संतोष कुमार ने बताया कि दोनों प्रतिष्ठानों द्वारा सीमेंट की बोगस बिलिंग कर ठेकेदारों और कार्य संवेदकों को फर्जी तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का लाभ दिया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान व्यवसायियों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए तत्काल 60 लाख रुपये का जीएसटी भुगतान कर दिया। विभाग के अनुसार छापेमारी के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों पर जीएसटी अधिनियम के तहत कर, ब्याज और पेनल्टी की राशि निर्धारित कर आगे की वसूली की कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त आयुक्त संतोष कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम माह मार्च 2026 में सभी व्यवसायी समय पर जीएसटी रिटर्न दाखिल करें और कर भुगतान सुनिश्चित करें, ताकि किसी प्रकार की कार्रवाई से बचा जा सके।

लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश, पुलिस अधिकारियों ने की समीक्षा बैठक

बीएनएम @ मोतिहारी :जिले में लंबित आपराधिक मामलों के शीघ्र निष्पादन को लेकर पुलिस अधिकारियों द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। प्रवेक्षी पदाधिकारी गोविन्दगंज, नगर व आदापुर तथा अंचल पुलिस निरीक्षक केसरिया की उपस्थिति में क्षेत्र के विभिन्न थानों में दर्ज कांडों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान अनुसंधानकर्ताओं से एक-एक कर लंबित मामलों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली गई। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन मामलों की जांच लंबित है, उनमें तेजी लाते हुए आवश्यक साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाए और नियमानुसार आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों ने कहा कि लंबित मामलों के कारण न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित होती है, इसलिए सभी अनुसंधानकर्ता समयबद्ध ढंग से अनुसंधान पूरा करें तथा आरोपपत्र समर्पित करने की प्रक्रिया में तेजी लाएं। समीक्षा के दौरान कई महत्वपूर्ण मामलों की प्रगति पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने गंभीर कांडों को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया, ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। बैठक में जांच की गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने सभी पदाधिकारियों को कानून के अनुरूप निष्पक्ष, प्रभावी और समयबद्ध अनुसंधान करने की हिदायत दी।

गैस एजेंसियों की जांच, प्रशासन ने कहा— सप्लाई सामान्य, घबराकर सिलेंडर बुक न करें

बीएनएम @ मोतिहारी। क्षेत्र की कई एलपीजी गैस एजेंसियों में गुरुवार को प्रशासन द्वारा उपलब्धता की जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि गैस की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है और उपभोक्ताओं को नियमित रूप से सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि घबराकर अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडर की बुकिंग न करें और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि गैस की आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं है और वितरण प्रक्रिया सामान्य रूप से चल रही है। साथ ही सभी एलपीजी उपभोक्ताओं से जल्द से जल्द अपना आधार ई-केवाईसी पूरा कराने का आग्रह किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ई-केवाईसी पूरा होने से गैस कनेक्शन सक्रिय रहेगा और उपभोक्ताओं को सब्सिडी मिलने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। प्रशासन ने कहा कि उपभोक्ता निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही गैस बुकिंग करें, ताकि वितरण व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, दो कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर दो शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया है। बीजधरी थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर सुंदरापुर पश्चिमियरि टोला के पास छापेमारी कर पुलिस ने शराब कारोबारी राहुल कुमार, पिता– विश्वनाथ राय, निवासी– ढकहाँ, थाना– केसरिया, जिला– पूर्वी चंपारण को 50 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं आदापुर थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर गढ़बड़ा चौक टिकुलिया स्थित एक चाय-नाश्ता की दुकान में छापेमारी कर शराब कारोबारी जवाहीर राय, पिता– स्व. रेखा राय, निवासी– झिठकहियां, थाना– आदापुर, जिला– पूर्वी चंपारण को 45 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। दोनों मामलों में पुलिस ने बरामद शराब को जब्त कर लिया है और आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कानून और अवैध कारोबार का रिश्ता हमेशा बिल्ली-चूहे के खेल जैसा रहता है—एक तरफ प्रतिबंध, दूसरी तरफ रास्ता खोजने की कोशिश। लेकिन जब सूचना, निगरानी और कार्रवाई तीनों एक साथ काम करते हैं, तो अवैध धंधों की सांस कुछ देर के लिए ही सही, जरूर फूल जाती है।

दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन, 11 सूत्रीय मांगों को लेकर जताया आक्रोश

डॉ. श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को शिक्षकों का मिला समर्थन

बीएनएम @ मोतिहारी

शहर स्थित डॉ. श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने अपनी ग्यारह सूत्रीय मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर महाविद्यालय परिसर में गुरुवार को काम बंद कर विरोध जताया। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में महाविद्यालय के चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों की पदोन्नति तथा रिक्त प्रधान सहायक, लेखापाल एवं उच्च वर्गीय पदों पर तृतीय वर्गीय कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया को पूर्ण कर उनकी अधिसूचना शीघ्र जारी करने की मांग शामिल है। साथ ही विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में कार्यरत उन कर्मचारियों को, जिनका MACP का लाभ वर्ष 2022 से 2026 के बीच पूरा हो रहा है, आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर वेतन निर्धारण एवं भुगतान सुनिश्चित करने की भी मांग की गई।इसके अतिरिक्त छठे एवं सातवें वेतनमान के बकाया वेतन अंतर की राशि का पूर्ण भुगतान, वर्षों से दैनिक वेतन और संविदा पर कार्यरत कर्मियों को न्यूनतम वेतनमान के अनुसार भुगतान तथा स्वीकृत रिक्त पदों पर उनकी सेवा नियमित करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में कार्यरत कर्मचारियों को "समान काम के लिए समान वेतन" लागू करने और उच्च न्यायालय के निर्णय के आलोक में उनका नियमितीकरण करने की भी मांग की गई। कर्मचारियों ने सीनेट में प्रावधानिक सदस्य के रूप में शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को प्रतिनिधित्व देने के लिए चुनाव कराने, अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुकंपा समिति की बैठक शीघ्र बुलाने तथा तृतीय वर्ग में पदोन्नत चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों का वेतन निर्धारण कर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी रखी। धरना दे रहे कर्मचारियों ने कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा और सामूहिक बीमा की व्यवस्था करने, प्रक्षेत्रीय संघ के कार्यालय के लिए कमरे का आवंटन करने तथा विश्वविद्यालय स्तर पर गठित विभिन्न समितियों में संघ के प्रतिनिधियों को प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की। धरने के दौरान कर्मचारियों ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान के सुचारु संचालन में शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी दोनों ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके सहयोग के बिना शिक्षकों और प्राचार्य को भी अनेक प्रशासनिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस धरना-प्रदर्शन में महाविद्यालय के शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में भास्कर गुप्ता, अभय कुमार मिश्रा, अमन कुमार मिश्रा, अमित चौधरी, निहाल कुमार, विकास कुमार, लवली सिंह, सोनी कुमारी, संगीता, सविता, संतोष कुमार चौबे, अरविंद कुमार, ज्ञान प्रकाश, प्रकाश कुमार पांडे, नीलम आदि मौजूद थे। कर्मचारियों की मांगों को शिक्षक वर्ग का भी समर्थन मिला और वे भी धरने में उनके साथ बैठे रहे। इस दौरान प्राचार्य प्रो. डॉ. नलिन बिलोचन के साथ-साथ डॉ. कल्पना सिंह, डॉ. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा, डॉ. नीतू, डॉ. अल्फिया नूरी, डॉ. मनोरमा राय, डॉ. प्रीति कुमारी, डॉ. विभा कुमारी, डॉ. अंजली कुमारी, डॉ. मोहम्मद इरशाद आलम और डॉ. अमित कुमार सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

संजय यादव बने तिरहुत प्रमंडल के प्रभारी, नेताओं ने दी बधाई

बीएनएम @ मोतिहारी

पार्टी एवं संगठन को सुगमता पूर्वक संचालित करने तथा पूरे बिहार की कुल 55 सांगठनिक जिला इकाइयों को चार भागों में विभक्त किया गया है। इसी क्रम में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने राजद के प्रदेश महासचिव संजय यादव को तिरहुत प्रमंडल का प्रभारी मनोनीत किया है। संजय यादव के तिरहुत प्रमंडल का प्रभारी बनाए जाने पर राजद के जिला अध्यक्ष सह पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि संजय यादव के प्रभारी बनने से तिरहुत प्रमंडल में पार्टी और संगठन और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई मजबूती मिलेगी। संजय यादव को प्रभारी बनाए जाने पर राजद के कई नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई दी। बधाई देने वालों में जिला अध्यक्ष मनोज कुमार यादव, विधायक फैसल रहमान, विधान परिषद सदस्य सैयद फैसल अली, मेयर प्रीति कुमारी, पूर्व विधायक राजेंद्र राम, पूर्व विधायक डॉ. शमीम अहमद, पूर्व विधायक शशि कुमार सिंह, मधुबन राजद जिला संगठन अध्यक्ष नूर आलम खान, राजद के पूर्व प्रत्याशी देवा गुप्ता, प्रधान महासचिव सुरेश साहनी, पंचायती राज के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन यादव, संजय निराला तथा मीडिया प्रभारी जावेद अहमद सहित अन्य नाम शामिल हैं।

अलविदा की नमाज़ में विश्व शांति के लिए विशेष दुआ करें: कामरेड इश्तेयाक

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर परिषद चकिया के सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता तथा जनता इलेक्ट्रिक के व्यवस्थापक कामरेड इश्तेयाक आलम ने अलविदा की नमाज़ के अवसर पर लोगों से विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए विशेष दुआ करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पवित्र रमज़ान का महीना चल रहा है और देश के कोने-कोने में दावत-ए-इफ्तार तथा तरावीह की नमाज़ का आयोजन हो रहा है। यह इस्लाम का सबसे मुकद्दस महीना है, जिसमें की गई दुआएँ अल्लाह के यहाँ कबूल होती हैं। इसलिए सभी मुसलमान भाइयों से गुज़ारिश है कि वे देश में अमन-चैन और पूरी दुनिया में शांति के लिए विशेष दुआ करें। कामरेड इश्तेयाक आलम ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व में शांति स्थापित करना हम सबका परम लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें शांति दूत बनकर समाज में भाईचारा और सद्भाव का संदेश फैलाना चाहिए। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ईरान और इज़राइल के बीच चल रहे तनाव और युद्ध की स्थिति ने पूरी दुनिया में बेचैनी पैदा कर दी है। ऐसे में हम सभी को दुआ करनी चाहिए कि यह संघर्ष जल्द समाप्त हो और दुनिया में अमन कायम हो। उन्होंने कहा कि रमज़ान के इस मुकद्दस अशरे में हम सब मिलकर अल्लाह से दुआ करें कि वह हमारी मगफिरत फरमाए और देश-दुनिया में चारों ओर शांति और खुशहाली कायम करे। साथ ही हमारे देश में विकास और तरक्की का नया रास्ता प्रशस्त हो।

जनता दरबार: लापरवाही पर सर्किल इंस्पेक्टर का वेतन रोका, थानाध्यक्षों को समय सीमा में न्याय देने का सख्त निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने अरेराज थाना परिसर में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का सीधा समाधान किया। इस दौरान अरेराज अनुमंडल के विभिन्न क्षेत्रों से आए दर्जनों फरियादियों ने भूमि विवाद, पुलिस अनुसंधान में देरी और आपसी रंजिश जैसी गंभीर शिकायतों को एसपी के समक्ष रखा। कुल 15 मुख्य परिवादों की फाइलों का गहनता से अवलोकन करते हुए एसपी ने मौके पर मौजूद पुलिस पदाधिकारियों को पूरी निष्पक्षता के साथ जांच करने और त्वरित कार्रवाई के सख्त निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान पहाड़पुर थाना क्षेत्र से जुड़े एक मामले में लापरवाही उजागर होने पर एसपी का कड़ा रुख देखने को मिला। उन्होंने कर्तव्य के प्रति कोताही बरतने के आरोप में पहाड़पुर सर्किल इंस्पेक्टर मुनिर आलम का वेतन रोकने का तत्काल आदेश जारी किया और संबंधित मामले के अभियुक्तों की अविलंब गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा। एसपी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जन समस्याओं की अनदेखी करने वाले किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही, सोमेश्वर नाथ मंदिर के समीप लगने वाले जाम की समस्या पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि नए होमगार्ड जवानों का प्रशिक्षण पूरा होते ही उन्हें ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू बनाने के लिए तैनात किया जाएगा। इस उच्चस्तरीय बैठक और जनता दरबार के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार, अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी, संग्रामपुर थानाध्यक्ष अनुप कुमार पहाड़पुर थानाध्यक्ष अजय कुमार और मलाही थानाध्यक्ष सुमन भारती और गोविंदगंज अपर-थानाध्यक्ष विरेंद्र कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इनके अलावा एस.आई अविनाश कुमार सहित कई अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। एसपी ने सभी थानाध्यक्षों को कड़े लहजे में निर्देशित किया कि वे थानों में आने वाले प्रत्येक फरियादी के साथ शालीनता और संवेदनशीलता से पेश आएं और लंबित कांडों का निष्पादन समय सीमा के भीतर करें ताकि जनता को न्याय के लिए भटकना न पड़े।

एसबीआई ने सीएसआर के तहत रेड क्रॉस सोसाइटी को एम्बुलेंस सौंपी

बीएनएम @ मोतिहारी

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, पूर्वी चंपारण को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की ओर से कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के तहत एक एम्बुलेंस प्रदान की गई। एसबीआई के बिहार-झारखंड महाप्रबंधक अभिमन्यु जोशी ने औपचारिक रूप से एम्बुलेंस रेड क्रॉस सोसाइटी को भेंट की। एम्बुलेंस की चाबी रेड क्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष सह अपर समाहर्ता (लोक शिकायत निवारण) शैलेंद्र कुमार भारती ने प्राप्त की। इस अवसर पर सौरभ जोरवाल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान एसबीआई के अधिकारियों और जिलाधिकारी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर एम्बुलेंस को रवाना किया। अधिकारियों ने बताया कि इस एम्बुलेंस के उपलब्ध होने से जिले में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को और मजबूत करने में मदद मिलेगी तथा गंभीर मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में सुविधा होगी। दुनिया का एक दिलचस्प नियम है—अस्पताल तक की दूरी कई बार जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाती है। ऐसी एम्बुलेंसें सिर्फ वाहन नहीं होतीं; वे समय के खिलाफ दौड़ती छोटी-सी जीवनरेखा होती हैं।

दहेज हत्या मामले में आरोपी को 10 वर्ष की सजा, कोर्ट का फैसला

बीएनएम @ मोतिहारी

दहेज हत्या के एक मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य और समर्पित चार्जशीट के आधार पर सुनाया गया। एडीजे-2 कोर्ट पूर्वी चंपारण मोतिहारी में मुफ्फसिल थाना कांड संख्या–644/23 (STR No–69/24) की सुनवाई के दौरान धारा 304 (B)/34 भा.द.वि. के तहत अभियुक्त प्रिंस कुमार, पिता– सुनील शुक्ला, निवासी– पतौरा मठिया, थाना– मुफ्फसिल, जिला– पूर्वी चंपारण को दोषी पाया गया। न्यायालय ने आरोपी को 10 वर्ष के सश्रम कारावास तथा 20,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। साथ ही अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने की स्थिति में छह माह के अतिरिक्त कारावास का भी प्रावधान रखा गया है। इस मामले की वादी रामजी सिंह, पिता– चंद्रिका सिंह, निवासी– बड़ा बरियारपुर, थाना– छतौनी, जिला– पूर्वी चंपारण हैं। कांड का अनुसंधान पुलिस अवर निरीक्षक राकेश कुमार राय द्वारा किया गया था। न्यायालय के इस फैसले को दहेज हत्या जैसे गंभीर अपराधों के खिलाफ एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। कानून की किताब में धारा 304(B) सिर्फ एक संख्या नहीं—यह उस सामाजिक बीमारी के खिलाफ चेतावनी है, जिसमें लालच इंसानी रिश्तों पर भारी पड़ जाता है।

समाहरणालय में ऋण वितरण शिविर, 53 लाभार्थियों को 3.04 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत

बीएनएम @ मोतिहारी

समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभा भवन में गुरुवार को उद्योग विभाग की योजनाओं के तहत समीक्षा बैठक-सह-ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में जिले में नए उद्यम स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र पूर्वी चंपारण, एलडीएम सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में जिले में संचालित बैंकों के प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (PMFME) तथा पीएम विश्वकर्मा योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 में पीएमईजीपी के तहत विभिन्न बैंकों द्वारा निर्धारित 76 लक्ष्य के विरुद्ध 93 ऋण आवेदन स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 28 लाभुकों को ऋण का भुगतान किया गया है। वहीं पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत 440 लक्ष्य के विरुद्ध 284 ऋण आवेदन स्वीकृत किए गए, जबकि 139 लाभुकों को ऋण की राशि प्रदान की गई है। बैठक में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 समाप्ति की ओर है, इसलिए सभी बैंक अपने-अपने लक्ष्य को जल्द पूरा करें। उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में उद्यम स्थापित करने के इच्छुक लोगों को चिन्हित कर पीएमईजीपी एवं पीएमएफएमई योजना के तहत आवेदन कराकर शीघ्र ऋण स्वीकृति और भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया कि अगले 10 दिनों के भीतर पीएमईजीपी और पीएमएफएमई योजना के निर्धारित लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। ऋण वितरण शिविर में कुल 53 लाभार्थियों को 304.14 लाख रुपये (करीब 3.04 करोड़ रुपये) का ऋण स्वीकृत किया गया, जबकि 35 लाभार्थियों को 239.98 लाख रुपये की ऋण राशि वितरित की गई। शिविर के दौरान लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति एवं वितरण पत्र भी प्रदान किए गए।

संक्षिप्त समाचार

निपुण शिक्षण-अधिगम सामग्री मेला में शिक्षक ने बढ़ाया जिले का मान, राज्य स्तर पर तृतीय स्थान

बीएनएम @ विक्की विजेन्द्र@घोड़ासहन। स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग पटना द्वारा आयोजित निपुण शिक्षण-अधिगम सामग्री मेला 3.0 में पूर्वी चंपारण जिले के एक शिक्षक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। नवसृजित प्राथमिक विद्यालय भेलवा के प्रधान शिक्षक रामनिवास कुमार ने पर्यावरण विषय पर तैयार की गई शिक्षण-अधिगम सामग्री के माध्यम से यह उपलब्धि हासिल कर घोड़ासहन सहित पूरे जिले का नाम रोशन किया है। पटना में आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उनकी प्रस्तुति 'नन्हे बीज की कहानी' को निर्णायक मंडल और उपस्थित अधिकारियों ने काफी सराहा। इस शिक्षण सामग्री के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, पौधों के महत्व और प्रकृति के साथ मानव जीवन के संबंध को बच्चों को सरल व रोचक तरीके से समझाने का प्रयास किया गया। प्रस्तुति की विशेषता यह रही कि इसमें जमूरा और डमरू जैसे पारंपरिक माध्यमों का उपयोग किया गया। इससे बच्चों के लिए पर्यावरण से जुड़ी जानकारी मनोरंजक और सहज ढंग से प्रस्तुत की गई। इस नवाचारी पद्धति ने निर्णायकों को प्रभावित किया और उन्हें राज्य स्तर पर तृतीय स्थान दिलाया। कार्यक्रम के दौरान प्राथमिक शिक्षा निदेशक विक्रम वीरकर तथा परिषद के उप निदेशक संजय कुमार ने रामनिवास कुमार की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक शिक्षण सामग्री बच्चों में सीखने की रुचि बढ़ाने में सहायक होती है। इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरी समेत कई शिक्षा पदाधिकारियों, शिक्षकों और जनप्रतिनिधियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह सफलता शिक्षा क्षेत्र में नवाचार के लिए प्रेरणादायी है।

गैस सिलेंडर की कालाबाजारी के मामले में प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ सीवान। सिवान में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी से जुड़े मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो के आधार पर की गई है, जिसमें एक पिकअप वाहन के माध्यम से गैस सिलेंडर की आपूर्ति के दौरान चालक द्वारा उपभोक्ताओं से निर्धारित मूल्य से अधिक राशि मांगते हुए दिखाया गया है। पुलिस के अनुसार 12 मार्च 2026 को यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसके बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित संज्ञान लिया गया। प्राप्त आवेदन के आधार पर मुफस्सिल थाना, सीवान में भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(3) तथा 7 आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर मामले की गहन जांच की जा रही है। साथ ही वीडियो में शामिल व्यक्तियों की पहचान कर सत्यापन की प्रक्रिया भी जारी है। जांच के दौरान दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध विधि के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। सीवान पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी कालाबाजारी, अवैध वसूली या किसी प्रकार की अनियमितता की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय थाना, पुलिस नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 9031683607 या आपातकालीन सेवा नंबर 112 पर दें।

रामगढ़वा में गड्ढे से युवक का शव बरामद, पास में मिली बाइक

बीएनएम @ रामगढ़वा। थाना क्षेत्र के मुख्य मार्ग स्थित चिरान मिल के समीप एक गड्ढे से युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान रक्सौल थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर निवासी चुनदेव महतो (पिता–भोला महतो) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार चुनदेव महतो बीते 2 मार्च को होलिका दहन की रात से ही घर से लापता थे। इसके बाद से परिवार के लोग उनकी लगातार तलाश कर रहे थे। गुरुवार को चिरान मिल के पास गड्ढे से तेज दुर्गंध आने पर आसपास के लोगों को शक हुआ, जिसके बाद वहां देखने पर एक शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। घटना की सूचना पर रामगढ़वा थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। शव की स्थिति से प्रतीत हो रहा है कि वह कई दिनों से गड्ढे में पड़ा था। शव के पास ही कीचड़ में सनी एक मोटरसाइकिल (संख्या BR05AW7511) भी बरामद हुई, जिसके आधार पर मृतक की पहचान करने में मदद मिली। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि बाइक सवार अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गया होगा और समय पर सहायता नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तकनीकी जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

तुरकौलिया में चोरी की चार मोटरसाइकिल के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के तुरकौलिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी की मोटरसाइकिल के साथ तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम भेला छपरा झखिया में छापेमारी कर तीनों आरोपितों को पकड़ा गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में रतन कुमार, पिता– गौतम साह, निवासी– भेला छपरा, थाना– तुरकौलिया, तथा बली कुमार राम, पिता– राजेश्वर राम और पवन कुमार, पिता– बुनिलाल राम, दोनों निवासी– झखिया, थाना– बंजरिया, जिला– पूर्वी चंपारण शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से चार चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की हैं। इस मामले में पुलिस ने तुरकौलिया थाना कांड संख्या–127/26 दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मोटरसाइकिल चोरी एक दिलचस्प अपराध-शास्त्रीय पहेली भी है—वाहन छोटा, बाजार बड़ा, और पहचान बदलना आसान। नंबर प्लेट, कागज़ और रास्ते बदलते ही मशीन नई कहानी लिख देती है। इसी कारण ऐसे मामलों में स्थानीय सूचना और त्वरित छापेमारी अक्सर सबसे प्रभावी हथियार साबित होते हैं।

बलुआ भवानीपुर पंचायत को मिला नया सचिव

बीएनएम @ योगापट्टी। योगापट्टी प्रखंड के बलुआ भवानीपुर पंचायत में पिछले दिसंबर माह से बाधित पड़े विकास कार्य अब पुनः सुचारु रूप से शुरू हो सकेंगे। पूर्व पंचायत सचिव बृजेश मिश्रा की सेवानिवृत्ति के बाद से यहाँ कामकाज पूरी तरह ठप था, जिसे लेकर मुखिया और अन्य जनप्रतिनिधियों ने जिला से लेकर प्रखंड कार्यालय तक काफी प्रयास किए। जिला एवं प्रखंड प्रशासन के आदेशानुसार, गुरुवार को सुबोध कुमार ने नए पंचायत सचिव के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया।पदभार संभालते ही सुबोध कुमार ने कार्य के प्रति तत्परता दिखाते हुए सबसे पहले लंबित पड़े जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्रों के आवेदनों का निपटारा किया। उन्होंने कार्यपालक सहायक नशीम अख्तर को हस्ताक्षर युक्त प्रमाण पत्र शीघ्र निर्गत करने का निर्देश दिया। नए सचिव ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि अब पंचायत के विकास कार्यों में कोई बाधा नहीं आएगी और चहुंमुखी विकास को प्राथमिकता दी जाएगी। इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि, वार्ड सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

गौनाहा से गायब तीन नाबालिग बच्चियां यूपी से बरामद

बीएनएम @ बेतियाः पश्चिम चंपारण के गौनाहा थाना क्षेत्र से रहस्यमय तरीके से गायब हुई तीन नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने अपनी सक्रियता से महज 12 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया है। यह घटना 10 मार्च 2026 की है, जब परसा ग्राम निवासी गयासुद्दीन शेख ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उनके घर की तीन बच्चियां सुबह खेत की ओर गई थीं और वापस नहीं लौटीं। परिजनों ने अज्ञात लोगों द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताई थी।मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कांड संख्या 58/26 दर्ज की और तकनीकी व मानवीय अनुसंधान शुरू किया। पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 11 मार्च की सुबह करीब पांच बजे तीनों बच्चियों को उत्तर प्रदेश के बढ़नी रेलवे स्टेशन से ढूंढ निकाला। पुलिस की इस तत्परता ने एक बड़ी अनहोनी को टाल दिया, जिससे परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। फिलहाल पुलिस बच्चियों को वापस लाकर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी कर रही है।

पटना में रसोई गैस के लिए मची अफरा–तफरी,कालाबाजारी पर प्रशासन की पैनी नजर

कृत्रिम किल्लत पैदा करने वालों पर होगी प्राथमिकी : उपमुख्यमंत्री

गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी और स्टॉक की जाँच शुरू

» बेऊर में तड़के 5 बजे से लगी लंबी कतारें
» कालाबाजारी रोकने के लिए मैदान में उतरे अधिकारी

बीएनएम @ पटना

बिहार की राजधानी पटना में रसोई गैस सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर उपभोक्ताओं के बीच भारी चिंता का माहौल बना हुआ है। गैस की संभावित किल्लत की आशंका के चलते शहर के विभिन्न इलाकों में लोग सुबह तड़के ही गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारों में खड़े नजर आ रहे हैं। विशेष रूप से बेऊर थाना क्षेत्र के 70 फीट रोड स्थित गैस गोदाम के बाहर गुरुवार सुबह 5 बजे से ही लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। उपभोक्ताओं का कहना है कि कमी की अफवाहों के कारण वे समय से पहले ही सिलेंडर भरवाने के लिए मजबूर हैं, जिससे दैनिक जीवन और रसोई का बजट प्रभावित हो रहा है। इस संकटपूर्ण स्थिति को देखते हुए पटना जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी के कड़े निर्देशों के बाद अनुमंडल पदाधिकारियों और प्रशासनिक टीमों ने गैस वितरकों के यहाँ सघन निरीक्षण अभियान शुरू कर दिया है। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य स्टॉक की जाँच करना और यह सुनिश्चित करना है कि कहीं कृत्रिम अभाव पैदा कर कालाबाजारी तो नहीं की जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई भी एजेंसी जमाखोरी या अवैध बिक्री में संलिप्त पाई जाती है, तो उसके विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी इस मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि सरकार कालाबाजारी करने वालों को किसी भी सूरत में नहीं बख्शेगी। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार आपूर्ति व्यवस्था सामान्य है और घरेलू उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। यद्यपि प्रशासन आपूर्ति सामान्य होने का दावा कर रहा है, लेकिन उपभोक्ताओं में व्याप्त डर ने होटल और खान-पान के कारोबार को भी चिंता में डाल दिया है। फिलहाल, प्रशासनिक मुस्तैदी का लक्ष्य जनता के मन से भय दूर करना और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाना है।

हल्की बारिश में ही जलमग्न हुआ सुगौली नगर पंचायत, स्टेशन रोड और बाजार पथ पर भरा पानी

बीएनएम @ सुगौली @ मृत्युंजय पाण्डेय

हल्की बारिश के बाद ही सुगौली नगर पंचायत के कई इलाके जलमग्न हो गए। मुख्य बाजार पथ, स्टेशन रोड और अन्य कई स्थानों पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे नगर पंचायत की जल निकासी व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे हैं। बारिश के बाद स्टेशन रोड पर सड़क पर पानी भर जाने से राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। अतिक्रमण के कारण पहले से ही संकरी हो चुकी और जर्जर सड़क पानी में डूब गई, जिससे आवागमन जोखिम भरा हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी में गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्टेशन रोड के आसपास नंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मध्य विद्यालय बालक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित हैं। ऐसे में छात्रों, अभिभावकों और मरीजों को पानी भरी सड़क से होकर गुजरना मजबूरी बन गया है। घुटने तक भरे पानी के बीच स्कूल आने-जाने वाले छात्रों को काफी कठिनाई झेलनी पड़ रही है। इसी तरह सुगौली बाजार पथ स्थित दीनदयाल बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाने वाली सड़क पर भी जलजमाव का नजारा देखने को मिला। छात्राओं को पानी से भरी सड़कों से होकर विद्यालय पहुंचना पड़ रहा है, जो जोखिम भरा साबित हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़कों के किनारे नाले तो बनाए गए हैं, लेकिन वे सड़क से ऊंचे हैं। इस कारण सड़कों पर जमा पानी नालों में नहीं जा पाता और लंबे समय तक जलजमाव बना रहता है। नगर पंचायत क्षेत्र में हल्की बारिश में ही जलजमाव की स्थिति को लेकर लोगों में नाराजगी है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नियमित रूप से कर देने के बावजूद उन्हें मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने और सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है।

'प्रशासन आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन, डीएम ने सुनी समस्याएं

» विभिन्न विभागों के लगाए गए थे 25 स्टॉल, समस्याओं को लेकर पहुंचे लोग
» शिकायतें सुनने के बाद जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को दिए निर्देश

बीएनएम @ बगहा

पश्चिमी चंपारण के बगहा एक प्रखंड परिसर में गुरुवार को 'प्रशासन आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत एक भव्य जन-सुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष पहल का उद्घाटन जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुँचाना और उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना था।शिविर में विभिन्न सरकारी विभागों की ओर से कुल 25 प्रदर्शनी कक्ष (स्टॉल) लगाए गए थे। इनमें बिहार लघु उद्यमी योजना, बाल विकास, समाज कल्याण, राजस्व एवं भूमि सुधार, कृषि, जीविका, स्वास्थ्य, शिक्षा और ऊर्जा विभाग जैसे प्रमुख विभाग शामिल थे। इन कक्षों पर संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहकर लोगों के आवेदन स्वीकार कर रहे थे और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान कर रहे थे।इस कार्यक्रम की सबसे खास बात जिलाधिकारी का जनता से सीधा संवाद रहा। उन्होंने अपने सामने चार कुर्सियाँ रखवाईं ताकि एक बार में चार लोग सहजता से बैठकर अपनी बात कह सकें। जिलाधिकारी ने न केवल लोगों की शिकायतें सुनीं, बल्कि मौके पर ही मौजूद अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निष्पादन के कड़े निर्देश दिए। बगहा अनुमंडल के विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीणों ने इस पारदर्शी व्यवस्था की जमकर सराहना की।समारोह में उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन, अनुमंडल पदाधिकारी चांदनी कुमारी और अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस शिविर ने यह सिद्ध किया कि यदि प्रशासन जनता के करीब पहुँच जाए, तो समस्याओं का समाधान सरल और शीघ्र हो जाता है।

रामनगर–लौरिया मार्ग पर हादसा, एक ही परिवार के 5 लोग घायल

बसवरिया चौक के पास पेड़ से टकराई बाराती बस, घायल युवती रेफर

बीएनएम @ बेतिया

रामनगर-लौरिया मुख्य मार्ग पर गुरुवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से आई एक बाराती बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी और एक पेड़ से टकरा गई। इस दुर्घटना में पांच बाराती घायल हो गए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

दुर्घटना का विवरण– जानकारी के अनुसार, गोरखपुर के पादरी बाजार से सूरज गुप्ता के परिवार की बारात रामनगर के सोनखर गांव आई थी। विवाह संपन्न होने के बाद बस लगभग 70 बारातियों को लेकर वापस गोरखपुर लौट रही थी। इनमें 40 पुरुष, 20 महिलाएं और 10 बच्चे सवार थे। जैसे ही बस देवराज के बसवरिया चौक के समीप पहुँची, हल्की बारिश के कारण सड़क पर हुई फिसलन की वजह से चालक ने नियंत्रण खो दिया। बस सीधे सड़क किनारे गड्ढे में उतरकर पेड़ से जा टकराई। गनीमत यह रही कि बस पलटी नहीं, वरना एक बड़ी जनहानि हो सकती थी।

राहत और बचाव कार्य – स्थानीय ग्रामीणों की तत्परता से सभी घायलों को तुरंत बस से बाहर निकाला गया और लौरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया गया। घायलों में दूल्हे के भाई विकास गुप्ता और बहनें खुशबू, रंजना, चीकू व राधा गुप्ता शामिल हैं। चिकित्सक डॉ. अफरोज आलम ने सभी का प्राथमिक उपचार किया, किंतु खुशबू गुप्ता की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए बेतिया स्थित सरकारी अस्पताल (जीएमसीएच) भेज दिया गया है।स्थानीय निवासियों का कहना है कि हल्की बारिश के बाद सड़क पर जमा मिट्टी और कचरे के कारण भीषण फिसलन हो जाती है। इस मार्ग पर आए दिन बाइक सवार और बड़े वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

पखनाहा डुमरिया में युवाओं ने रोपे पौधे

बीएनएम @ बेतिया

भारत सरकार की पहल "एक पेड़ मां के नाम" कार्यक्रम के तहत पखनाहा डुमरिया पंचायत में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम मेरा युवा भारत के बिहार स्टेट उप निदेशक रश्मि सिंह के दिशा-निर्देश में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मेरा युवा भारत के प्रखंड बैरिया के स्वयंसेवक नितेश कुमार पटेल द्वारा किया गया, जिसमें पंचायत के युवाओं और ग्रामीणों को एकत्रित कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान लोगों ने मिलकर कई पौधे लगाए और उनकी देखभाल का संकल्प भी लिया। नितेश कुमार पटेल ने कहा कि पेड़ लगाना जीवन को सुरक्षित करने के समान है। यदि पेड़ समाप्त हो जाएंगे तो आने वाले समय में सभी जीव-जंतुओं का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। इसलिए हर व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि "वन है तो हम हैं और हम हैं तो वन है", इसलिए पर्यावरण को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मौके पर मनीष कुमार सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

संस्कृति की रक्षा के लिए प्रकृति को सुरक्षित रखना आवश्यकः पं. राजेश जी

बीएनएम @ बगहा

पूर्व प्रधानाचार्य पंडित विंध्यवासिनी प्रसाद त्रिपाठी के आवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ में अध्यात्म और पर्यावरण का अनूठा संगम देखने को मिला। वायुमंडल को प्रदूषण मुक्त रखने के संकल्प के साथ यहाँ विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रख्यात प्रकृति प्रेमी पंडित भरत उपाध्याय और श्रीनिवास मणि ने वृंदावन से पधारे सुविख्यात कथा वाचक पंडित राजेश तिवारी महाराज के साथ बादाम के पौधों का रोपण किया। यज्ञाचार्य पंडित सत्यप्रकाश दुबे के मंत्रोच्चार ने इस आयोजन को दिव्य बना दिया।कथा व्यास राजेश जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृति की रक्षा के लिए प्रकृति की रक्षा अनिवार्य है। उन्होंने हनुमान जी के चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे अक्षय ऊर्जा के प्रतीक और जितेंद्रिय हैं। हनुमान जी का वृक्षों और फल-फूलों से गहरा प्रेम था, जो हमें पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होने की प्रेरणा देता है। वे बिना समय और ऊर्जा नष्ट किए बुद्धि और बल के सही प्रयोग से संकट हरने में सक्षम हैं।इस पावन अवसर पर पंडित रामवृक्ष मणि, सुनील मणि, निलेश त्रिपाठी और अहमद मियां सहित हजारों श्रद्धालुओं ने कथामृत का पान किया। भक्ति और सेवा के इस संगम ने समाज को यह संदेश दिया कि ईश्वर की सच्ची आराधना जीव-जगत और प्रकृति की सेवा में ही निहित है।

उत्तर प्रदेश सीमा से सटे नदी क्षेत्रों में बढ़ेगी चौकसी : एसपी

» बेतिया एसपी का औचक निरीक्षण

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया के पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन ने हाल ही में श्रीनगर-पुजहा थाने का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था और कार्यप्रणाली का गहन जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने थाने के मालखाना, सीसीटीएनएस कक्ष, महिला सहायता केंद्र और आवासीय बैरकों का अवलोकन किया। एसपी ने अपराध से जुड़ी विभिन्न पंजियों की बारीकी से जांच की और अभिलेखों के सही रखरखाव पर विशेष जोर दिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने हत्या, लूट और डकैती जैसे गंभीर और लंबे समय से लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि ऐसे मामलों का शीघ्र निष्पादन किया जाए और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए वारंट तथा कुर्की की कार्रवाई में तेजी लाई जाए। क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए एसपी ने दियारा क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे नदी क्षेत्रों में नियमित नदी गश्ती करने का आदेश दिया, ताकि शराब और मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। इस अवसर पर अंचल पुलिस निरीक्षक और थानाध्यक्ष अमित कुमार पाल सहित कई पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी

खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है। विडंबना ही है कि जिस सुबह अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ ओमान के विदेश मंत्री बदर बिन हमद अल बुसेइदी ने जानकारी दी कि ईरान संवर्धित यूरेनियम के भंडार को खत्म करने और आगे संवर्धन ना करने पर राजी हो गया है, अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर साझा हमला बोल दिया। इसका एलान करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो कहा, उसका अर्थ यही था कि वे इतने से संतुष्ट नहीं है, बल्कि ईरान में सत्ता परिवर्तन उनका मकसद है, ताकि पश्चिम एशिया में आगे चल कर इजराइल को चुनौती दे सकने वाला कोई देश ना रहे। इस उद्देश्य में अमेरिका- इजराइल को आरंभिक सफलता भी मिली। उनके हमलों में ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता आयतुल्लाह खामेनई मारे गए। लेकिन अब यह स्पष्ट है कि उससे तखता पलट का मकसद तुरंत हासिल होने नहीं हुआ है। ईरान के इस्लामी शासन ने उत्तराधिकार की कई स्तरों की व्यवस्था की हुई है, जिसमें आपातकालीन उत्तराधिकार भी शामिल है। खामेनई के उत्तराधिकारियों ने चंद घंटों के अंदर जिस तरह इजराइल के अंदर तथा विभिन्न खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य एवं अन्य ठिकानों को निशाना बनाया, उसका यही पैगाम है कि ईरान ने लंबी लड़ाई की तैयारी कर रखी है। कोरिया और वियतनाम युद्धों के बाद कभी ऐसा नहीं हुआ कि किसी शक्ति ने अमेरिकी सैन्य अड्डों पर इतने बेखौफ ढंग से हमले किए हों। उधर पूरा पश्चिम एशिया लड़ाई के दायरे में आता दिख रहा है, जिससे क्षेत्रीय युद्ध के अंदेशे ने ठोस रूप ले लिया है। इसके बीच 'छोटी और निर्णायकó लड़ाई की डॉनल्ड ट्रंप की मंशा पूरी होने की संभावना कम ही है। तखता पलट के बिना आखिर क्या वो मकसद होगा, जिससे ट्रंप अपनी जीत का एलान कर सकें, यह उन्होंने स्पष्ट नहीं किया है। इस रणनीतिक अस्पष्टता के कारण युद्ध का लंबा खिंचा, तो उसकी आंच दुनिया भर तक पहुंचेगी। ईरान ने होरमुज खाड़ी और उसके सहयोगी यमन स्थित अंसारुल्लाह (हूती) ने लाल सागर को बंद करने का एलान किया है।

समान नागरिक संहिता पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के निहितार्थ

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत एक बहुधर्मी, बहुसांस्कृतिक और विविधताओं से भरा राष्ट्र है। यहाँ विभिन्न धर्मों, परंपराओं और सामाजिक व्यवस्थाओं के कारण व्यक्तिगत जीवन से जुड़े कई कानून अलग-अलग रूप में लागू होते रहे हैं। विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेना और परिवार से जुड़े अन्य मामलों में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, पारसी और अन्य समुदायों के लिए अलग-अलग पर्सनल लॉ प्रचलित हैं। किंतु एक आधुनिक लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र के रूप में यह प्रश्न लंबे समय से उठता रहा है कि क्या एक ही देश में नागरिकों के लिए अलग-अलग नागरिक कानून उचित हैं? इसी संदर्भ में समान नागरिक संहिता का विचार समय-समय पर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आता रहा है। हाल ही में उच्चतम न्यायालय की एक टिप्पणी ने इस बहस को फिर से नई गति दे दी है। न्यायालय ने कहा है कि देश में समान नागरिक संहिता लागू करने पर गंभीरता से विचार करने का समय आ गया है, हालांकि यह निर्णय न्यायपालिका का नहीं बल्कि संसद का विषय है। अदालत शरियत कानून 1937 की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मुस्लिम महिलाओं के साथ कथित भेदभाव का प्रश्न उठाया गया है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने संकेत दिया कि यदि इन प्रावधानों को हटाया जाता है तो कानून में एक प्रकार का खालीपन उत्पन्न हो सकता है और इसका स्थायी समाधान समान नागरिक संहिता के माध्यम से ही संभव है। वस्तुतः समान नागरिक संहिता का प्रश्न एक कानूनी व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, यह संविधान में निहित समानता, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों से भी जुड़ा हुआ है। इसलिए यह विषय केवल अदालतों या सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, राजनीति और संवैधानिक आदर्शों के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती भी है।

संविधान में निहित विचार- समान नागरिक संहिता का विचार भारतीय संविधान में प्रारंभ से ही मौजूद है। संविधान के अनुच्छेद 44 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि राज्य पूरे देश में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। यह प्रावधान राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों के अंतर्गत रखा गया है, जिनका उद्देश्य सरकार को सामाजिक सुधार की दिशा में मार्गदर्शन देना है। संविधान सभा में इस विषय पर व्यापक चर्चा हुई थी। संविधान निर्माता भीमराव रामजी आंबेडकर का मानना था कि आधुनिक राष्ट्र में नागरिकों के अधिकार धर्म के आधार पर अलग-अलग नहीं होने चाहिए। हालांकि उस समय देश की सामाजिक परिस्थितियों और विभिन्न समुदायों की आशंकाओं को देखते हुए इसे तत्काल लागू करने के बजाय नीति निदेशक सिद्धांतों में रखा गया। यह व्यवस्था इस उद्देश्य से की गई थी कि समय के साथ सामाजिक सहमति बनने पर इसे लागू किया जा सके।

पर्सनल लॉ की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि- भारत में अलग-अलग पर्सनल लॉ की व्यवस्था औपनिवेशिक काल की देन मानी जाती है। ब्रिटिश शासन के दौरान विभिन्न धार्मिक समुदायों की परंपराओं को ध्यान में रखते हुए विवाह, तलाक और उत्तराधिकार से जुड़े मामलों में अलग-अलग कानून लागू किए गए थे। स्वतंत्रता के बाद भी यह व्यवस्था जारी रही, हालांकि समय-समय पर इसमें सुधार किए गए। आज भी हिंदुओं के लिए हिंदू विवाह अधिनियम, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम और अन्य संबंधित कानून प्रभावी हैं, जबकि मुसलमानों के निजी मामलों में मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरियत) एप्लीकेशन एक्ट 1937 लागू होता है। इसी प्रकार ईसाई और पारसी समुदायों के लिए भी अलग-अलग कानून मौजूद हैं। यह विविधता भारत की सामाजिक संरचना का हिस्सा अवश्य है, लेकिन कई बार यह व्यवस्था संविधान में प्रदत्त समानता और न्याय के सिद्धांतों से टकराती हुई भी दिखाई देती है। विशेषकर महिलाओं के अधिकारों के संदर्भ में यह प्रश्न अधिक गंभीर हो जाता है।

न्यायपालिका का दृष्टिकोण- भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर बल दिया है। कई महत्वपूर्ण मामलों में अदालतों ने यह टिप्पणी की है कि अलग-अलग पर्सनल लॉ के कारण नागरिकों के बीच असमानता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। न्यायालयों का यह भी मत रहा है कि जब व्यक्तिगत कानूनों के कारण महिलाओं के अधिकार प्रभावित होते हैं तो संविधान में निहित समानता के सिद्धांत को चुनौती मिलती है। हालिया सुनवाई में भी सर्वोच्च न्यायालय ने यही संकेत दिया कि यदि पर्सनल लॉ के कुछ प्रावधानों को हटाया जाता है तो उसके स्थान पर एक व्यापक और समान नागरिक कानून की आवश्यकता होगी।

महिला अधिकारों के संदर्भ में महत्व- समान नागरिक संहिता की चर्चा अक्सर महिलाओं के अधिकारों के संदर्भ में अधिक होती है। भारत में कई पर्सनल लॉ में महिलाओं के अधिकार पुरुषों की तुलना में सीमित रहे हैं। कुछ समुदायों में बहुविवाह की अनुमति, तलाक की असमान प्रक्रिया और विरासत में कम हिस्सा जैसे मुद्दे लंबे समय तक विवाद का कारण बने रहे हैं। इन परिस्थितियों में महिलाओं को न्याय पाने के लिए अदालतों का सहारा लेना पड़ता है। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य इन असमानताओं को समाप्त कर एक ऐसा कानूनी ढांचा तैयार करना है जिसमें सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हों और कानून धर्म के बजाय नागरिकता के आधार पर लागू हो।

राष्ट्रीय एकता और धर्मनिरपेक्षता- भारत एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र है। पंथनिरपेक्षता का अर्थ यह है कि राज्य सभी धर्मों के प्रति समान दृष्टिकोण रखे। यदि नागरिक कानून धर्म के आधार पर अलग-अलग होंगे तो यह सिद्धांत व्यवहार में कमजोर पड़ सकता है। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को समाप्त करना नहीं है, बल्कि नागरिक अधिकारों को धर्म से अलग करना है। विवाह, तलाक और उत्तराधिकार जैसे विषय मूलतः नागरिक अधिकारों से जुड़े होते हैं, इसलिए इन पर समान कानून होना लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप माना जाता है।

उत्तराखंड में प्रारंभिक प्रयोग- भारत में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम उत्तराखंड में उठाया गया है। राज्य सरकार ने इसे लागू कर विवाह के अनिवार्य पंजीकरण, संपत्ति में बेटा-बेटी को समान अधिकार और विवाह व तलाक से जुड़े समान नियमों की व्यवस्था की है। इसे देश में एक प्रयोग के रूप में देखा जा रहा है। यदि यह व्यवस्था सफल होती है तो भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण मॉडल बन सकती है।

राजनीतिक और सामाजिक विमर्श- समान नागरिक संहिता पर बहस नई नहीं है। संविधान सभा से लेकर आज तक यह विषय समय-समय पर चर्चा में आता रहा है। कई लोग इसे सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय एकता के लिए आवश्यक कदम मानते हैं, जबकि कुछ समुदायों को आशंका है कि इससे उनकी धार्मिक परंपराओं पर प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए यह विषय केवल कानून बनाने का प्रश्न नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक संवाद और विश्वास निर्माण की भी आवश्यकता है। कुल मिलाकर कहना यही है कि सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि इस विषय पर गंभीरता से विचार करने का समय आ चुका है, किंतु अंतिम निर्णय संसद को ही करना होगा। यदि समान नागरिक संहिता को संविधान की भावना, सामाजिक सहमति और सभी समुदायों के अधिकारों को ध्यान में रखते हुए लागू किया जाता है तो यह अधिक न्यायपूर्ण, आधुनिक और समावेशी भारत के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका में 20 जनवरी, 2025 को डोनाल्ड ट्रम्प के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद वैश्विक आर्थिक और व्यापारिक व्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिले। ट्रम्प ने "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" के नारे के साथ अमेरिकी उद्योग और विनिर्माण को पुनर्जीवित करने की नीति अपनाई। इसी उद्देश्य से उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर भारी टैरिफ लगाने की रणनीति अपनाई। उनका मानना था कि यदि विदेशी उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाया जाएगा तो बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अमेरिका में ही उत्पादन शुरू करेंगी और इससे अमेरिकी उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। यह नीति अत्यंत आक्रामक रूप से लागू की गई, जिसके कारण वैश्विक व्यापार वातावरण में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा हो गई। विशेष रूप से चीन जैसे देशों से आने वाले उत्पादों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत को हिला दिया। इसके अलावा अन्य देशों को भी ऐसे कदमों की चेतावनी दी गई, जिससे वैश्विक आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। भारत भी इस नीति से अछूता नहीं रहा। अमेरिका ने भारत से आयातित कई उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया। इसके अतिरिक्त 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ इस आधार पर लगाया गया कि भारत रूस से कच्चे तेल का आयात करता है और उसे प्रसंस्कृत कर यूरोपीय देशों को पेट्रोल और डीजल के रूप में निर्यात करता है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क था कि भारत द्वारा रूस से तेल खरीदना अप्रत्यक्ष रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध को आर्थिक समर्थन देना है। परिणामस्वरूप 27 अगस्त 2025 से भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लागू कर दिया गया। इस निर्णय का भारत की अर्थव्यवस्था पर तत्काल प्रभाव पड़ा। भारतीय पूंजी बाजार में अस्थिरता बढ़ गई और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से अपना निवेश निकालना शुरू कर दिया। इससे शेयर बाजार में गिरावट आई और विदेशी मुद्रा प्रवाह पर भी दबाव बढ़ा। चूँकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है और भारत के निर्यात में उसकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है, इसलिए यह कदम भारत के विदेशी व्यापार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया। ट्रम्प प्रशासन की नीतियाँ केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उनमें साम्राज्यवादी सोच के संकेत भी दिखाई दिए। उदाहरण के तौर पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में मुकदमा चलाने की घटना ने वैश्विक राजनीति में नई बहस छेड़ दी। अमेरिका की नजर वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार पर मानी जा रही है। इसके अलावा डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड द्वीप पर भी अमेरिका ने अपना प्रभाव स्थापित करने की इच्छा जताई। इसी प्रकार मेक्सिको, क्यूबा और ईरान जैसे देशों को भी विभिन्न प्रकार की चेतावनियाँ दी गईं। इन घटनाओं ने वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति पैदा कर दी। भारत और अमेरिका के संबंधों पर भी इसका प्रभाव पड़ा, लेकिन भारत ने इस चुनौती का सामना करने के लिए त्वरित और व्यावहारिक रणनीति अपनाई। सरकार ने वैकल्पिक बाजारों की तलाश शुरू की और कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने की दिशा में तेजी से कदम उठाए। भारत ने विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो अमेरिका को निर्यात पर अधिक निर्भर थे, जैसे वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्री उत्पाद, खिलौना उद्योग और चमड़ा उद्योग। ये सभी श्रम आधारित उद्योग हैं और इनमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है। यदि इन क्षेत्रों के निर्यात पर बड़ा झटका लगता तो देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर रूप ले सकती थी। इसलिए भारत ने रूस, चीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों सहित कई नए बाजारों में इन उत्पादों का निर्यात बढ़ाने का प्रयास किया। वर्ष 2025 में भारत ने वैश्विक व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने की दिशा में सक्रिय प्रयास किए। वर्ष के अंत तक भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण समझौते किए। इसके साथ ही अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि नवंबर और दिसंबर 2025 के दौरान भारत के निर्यात में वृद्धि दर बनाए रखने में सफलता मिली, जबकि सितंबर और अक्टूबर के महीनों में अमेरिकी बाजार में टैरिफ के कारण कुछ गिरावट देखी गई थी। भारत की व्यापारिक रणनीति का सबसे बड़ा कदम 27 जनवरी 2026 को सामने आया, जब भारत और यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता संपन्न हुआ। लगभग 18 वर्षों की लंबी वार्ताओं के बाद यह समझौता संभव हो पाया। इसकी व्यापकता और महत्व को देखते हुए इसे "मदर ऑफ ऑल डील्स" कहा जा रहा है। इस समझौते से भारत के निर्यात को एक विशाल और स्थिर बाजार मिलने की संभावना है। इसके अतिरिक्त कनाडा के राष्ट्रपति के मार्च 2026 में भारत आने की संभावना भी जताई जा रही है, जिसके दौरान कुछ क्षेत्रों में मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा सकता है। भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों से विश्व समुदाय में सकारात्मक संदेश गया है। भारत "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना के साथ वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है। इन समझौतों से संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि व्यापार में वृद्धि से आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण भी सकारात्मक हुआ है और वे भारत को एक विश्वसनीय और उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हालांकि इन सकारात्मक पहलुओं के बावजूद भारत के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण समस्या भारतीय रुपये का अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होना है। हाल के समय में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत 92 रुपये से अधिक हो गई है और वर्ष 2025 में रुपये का लगभग 5 से 6 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है। इसका मुख्य कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी बाजार से निवेश निकालना है, जिससे डॉलर का बाहरी प्रवाह बढ़ गया है। इस समस्या से निपटने के लिए भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ाने और निर्यात को प्रोत्साहित करने की नीति अपना रहा है। यदि भारत निर्यात और विदेशी निवेश दोनों क्षेत्रों में वृद्धि करने में सफल होता है तो विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होगा और रुपये पर दबाव कम किया जा सकेगा। समग्र रूप से देखा जाए तो ट्रम्प प्रशासन की आक्रामक व्यापारिक नीतियों ने वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में अस्थिरता पैदा की है, लेकिन भारत ने इन चुनौतियों का सामना व्यावहारिक और संतुलित रणनीति से करने का प्रयास किया है। आत्मनिर्भरता, मुक्त व्यापार समझौतों का विस्तार, नए बाजारों की खोज और युवा शक्ति का विकास भारत की प्रमुख रणनीतियाँ हैं।

मेष राशि- आज आप एनर्जेटिक रहेंगे। इंजीनियर्स को आज अच्छा प्रोजेक्ट मिलेगा जो उनके जीवन का अहम प्रोजेक्ट होगा। आज आप उस बात का समर्थन करेंगे जो आपके लिए लाभदायक है। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, जिससे आपके सारे काम भी अच्छे ढंग से होंगे। आज बच्चों को चिड़ियाघर घुमाने ले जाएंगे, जहां बच्चे खूब आनन्द उठाएंगे। पारिवारिक काम निपटाने के लिहाज से दिन अच्छा है।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के जो लोग बिजनेस करते है आज उन्हें धनलाभ होने के योग बन रहे है। जो लोग नौकरी की तलाश में उन्हें नौकरी मिलने की संभावना है। इस राशि के जो लोग कवि है आज उनकी कविता की पुस्तक प्रकाशित हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी अच्छे रेस्टोरेंट में डिनर के लिए जाएंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज बहुत से अच्छे मौके आपका इंतजार कर रहे है। लेकिन आपको उनके लिए लगातार कोशिशें करनी होंगी। इस राशि के जिन लोगों का सिंगिंग में रुझान है आज उन्हें किसी टीवी शो में गाने का ऑफर आ सकता है। आज आप महंगी खरीददारी के बारे में भी अपना मन बना सकते हैं, लेकिन आखिरी समय में आपको निर्णय लेने में मुश्किल होगी।

कर्क राशि- आज आप काफी उत्साहित रहेंगे। अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के लिए आज आप नया प्लान बनाएंगे। आज आपकी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से हो सकती है जो भविष्य में आपकी सहायता कर सकते है। आज सकारात्मक सोच रखकर कार्य करेंगे तो आपको सफलता जरुर मिलेगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

सिंह राशि- आज आपका दिन लकी रहेगा। मेडिकल स्टूडेंट्स आज अपने सीनियर्स से कुछ नया अनुभव सीखेंगे, जो उनको आने वाले जीवन में लाभ देगा। लेखकों की आत्मकथा आज पब्लिश होगी जो लोगों के द्वारा काफी पसंद की जाएगी। साथ ही आज दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं को न रोकें, जो कार्य आपको अच्छा लगें, वहीं करें।

कन्या राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे जिससे घर में खुशियों का माहौल रहेगा। बच्चों को ज्ञान की बातें बताएंगे जिससे बच्चे अच्छे रास्ते पर चले। आज आप जो भी काम करेंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ टाइम स्पेंड करने से आपकी उलझने कम होंगी।

तुला राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे, जिससे आपको आपके काम के लिए अच्छी रेटिंग मिलेगी। आज आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे जिससे आप खूब सारा धन कमाएंगे। आज आपके कार्यक्षेत्र और परिवार के बीच संतुलन रहेगा। अविवाहित जातकों के लिए विवाह के अच्छे प्रस्ताव आयेंगे।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन आ सकते है, अपने मित्र से शेयर करके आपको उस उलझन से राहत मिलेगी। आपके घर पर मेहमान मेहमान आएंगे, जिससे घर का माहौल व्यस्त रहेगा। तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, आप नई तकनीकी सीख सकते है जो भविष्य में काम आयेगा।

धनु राशि- आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज परिवार वालों के साथ घर की साफ-सफाई में हाथ बटायेंगे। साथ ही कुछ जरुरी सामान खरीदने बाजार जा सकते हैं। आज आप घर में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे। इस राशि के नवविवाहित के लिए आज का दिन बेहतरीन है। लवमेट आज कहीं घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं, जिससे उनके बीच चल रही अनबन दूर होगी।

मकर राशि- आज आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। बड़ों की सलाह आपके लिए कारगार होगी, इसलिए उनसे सलाह लेकर ही काम को करें। आपको उन लोगों से दूरी बनाकर रखनी है, जिनके विचार नकारात्मक हों। कारोबार में आ रही समस्याएं आज समाप्त होंगी। आपका नए लोगों से जल्दी ही परिचय हो सकता है।

कुंभ राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। शाम को दोस्तों से मिलने के बाद आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। जिससे आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। जीवनसाथी को आज सरप्राइज पार्टी देंगे, जिससे आपके बीच का प्यार ज्यादा बढ़ेगा। कार्यों को आप धैर्य पूर्वक पूरा करेंगे, जिससे आपका काम सफल होगा।

मीन राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए अपने सहयोगियों के साथ मीटिंग करेंगे। अपने बच्चों के साथ आज घर पर गेम खेलेंगे, जिससे पारिवारिक सौहार्द बढ़ेगा। आज जो भी फैसला करें काफी सोच विचार कर ही करें, हो सके तो परिवार वालों की राय जरूर लें।

युद्ध की विभीषिकाः हारती मानवता और सिसकता विश्व

सुनील कुमार महला

युद्ध वास्तव में केवल सीमाओं पर नहीं लड़ा जाता, बल्कि उसका सबसे गहरा घाव मानवता की आत्मा पर लगता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज का विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ प्रगति की बातें तो बहुत होती हैं, लेकिन धरातल पर विनाश की पदचाप साफ़ सुनाई देती है। पिछले कुछ समय से अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने पूरी दुनिया को अनिश्चितता के भंवर में धकेल दिया है। सच तो यह है कि इस संघर्ष के कारण चारों ओर हाहाकार मचा हुआ है और तबाही का मंजर करीब आता दिखाई दे रहा है। यह संघर्ष केवल दो-तीन देशों की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, मानवीय संवेदनाओं और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर भी पड़ रहा है।

युद्ध और आर्थिक तबाहीः- यह एक कड़वा सच है कि युद्ध का सबसे पहला और प्रत्यक्ष प्रहार आम आदमी की जेब और पेट पर होता है। मध्य-पूर्व दुनिया के तेल और गैस का प्रमुख केंद्र है। जब भी यहाँ युद्ध जैसी स्थिति बनती है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) बाधित हो जाती है। तेल और गैस की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि महंगाई को चरम पर पहुँचा देती है। एक गरीब परिवार के लिए दो वक्त की रोटी जुटाना भी कठिन हो जाता है, क्योंकि युद्ध के कारण परिवहन और उत्पादन की लागत बढ़ जाती है। यह आर्थिक संकट केवल एक देश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे विश्व के लिए साझा संकट बन जाता है।

अहम और विस्तारवाद की अंधी दौड़ः- युद्ध कभी भी अचानक नहीं होते; इनके पीछे लंबे समय से पल रही कुंठाएँ, विस्तारवादी नीतियाँ और शासकों की मनमानी होती है। जब देशों के बीच संवाद समाप्त हो जाता है और 'अहम' (इगो) बड़ा हो जाता है, तब कूटनीति के रास्ते बंद हो जाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज परमाणु हथियारों की होड़ ने मानव जाति को विनाश के उस मुहाने पर खड़ा कर दिया है जहाँ एक छोटी-सी गलती पूरी सभ्यता को मिटा सकती है। धार्मिक कट्टरवाद, जातीय संघर्ष और सीमा विवाद जैसे मुद्दे आग में घी डालने का काम करते हैं। जब शासक अपनी शक्ति के प्रदर्शन में अंधे हो जाते हैं, तो वे यह भूल जाते हैं कि जिस धरती को जीतने की कोशिश कर रहे हैं, उसे रहने लायक भी नहीं छोड़ेंगे।

युद्धः इंसानियत की हारः- इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं रहे। युद्ध केवल नए युद्धों का बीज बोते हैं। किसी भी संघर्ष में न कोई देश वास्तव में जीतता है और न ही कोई हारता है; अगर कुछ हारता है तो वह है मानवता। सच तो यह है कि युद्ध के मैदान में बारूद की गंध के बीच सबसे पहले करुणा और दया की बलि चढ़ती है। जब बम गिरते हैं, तो वे यह नहीं देखते कि नीचे कौन है। मलबे के ढेर पर बैठकर बिलखते बच्चे, अपनों को खो चुकी महिलाएँ और बेबस बुजुर्ग इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि युद्ध कितना क्रूर होता है। जो बच्चे आज खिलौनों से खेलना चाहते हैं, उनके हाथों में युद्ध ने नफरत और विनाश की यादें थमा दी हैं। जिस देश को बनाने में दशकों का पसीना और मेहनत लगती है, युद्ध उसे कुछ ही दिनों में खंडहर बना देता है और

देश बरसों पीछे चला जाता है।

युद्धग्रस्त देशों की भयावह स्थितिः- यह विचारणीय है कि दुनिया के कई देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने युद्धरत देशों से युद्धविराम की अपील की है, लेकिन शासकों की जिद के कारण दुनिया असहाय दिखाई दे रही है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका पर भी लगातार सवाल उठ रहे हैं और इसकी प्रासंगिकता को लेकर बहस तेज हो गई है। दूसरी ओर युद्धग्रस्त देशों की स्थिति बेहद भयावह है। लगातार बमबारी के कारण बड़े-बड़े शहर खंडहर में बदल चुके हैं। सड़कों पर जगह-जगह लाशें बिखरी पड़ी हैं और अस्पतालों में घायल मासूम बच्चों की दर्दनाक तस्वीरें दिल दहला देती हैं। चारों ओर आग और धुएँ का वातावरण है। एंबुलेंस और हवाई हमलों के सायरन हर पल खामोशी को चीरते रहते हैं। अस्पतालों, स्कूलों, थिएटरों और रिहायशी इलाकों पर बमबारी के बाद जान बचाने के लिए सड़कों पर भागती भीड़ का दृश्य अत्यंत पीड़ादायक है। पानी, दूध, ब्रेड और दवाइयों के लिए परेशान महिलाओं और बुजुर्गों की भीड़ मानवता को शर्मसार करती है और युद्धरत देशों के शासकों की संवेदनहीनता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

शरणार्थियों की त्रासदीः- इतिहास यह भी बताता है कि युद्ध में किसी की वास्तविक जीत नहीं होती, बल्कि हार हमेशा मानवता की होती है। विश्व युद्धों से लेकर विभिन्न देशों के बीच हुए संघर्षों ने यह सिद्ध किया है कि युद्ध की भयावहता का प्रभाव आने वाली कई पीढ़ियों तक बना रहता है।इन युद्धों में उन निर्दोष युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की जान जाती है, जिनका इस लड़ाई की जीत या हार से कोई संबंध नहीं होता। युद्ध के कारण शरणार्थियों की समस्या भी पैदा होती है। लाखों लोग अपना घर-बार छोड़कर दूसरे देशों में शरण लेने को मजबूर हो जाते हैं। वहाँ उनका जीवन अक्सर दोयम दर्जे के नागरिक जैसा हो जाता है और उन्हें रोटी, कपड़ा तथा सिर पर छत के लिए भी प्रशासन की मदद पर निर्भर रहना पड़ता है। शरणार्थियों की यह समस्या कई देशों के लिए आर्थिक बोझ भी बनती है और कई बार सामाजिक तनाव का कारण भी बन जाती है।

निष्कर्षः- अंत में यही कहूंगा कि युद्ध विकास का अंत और विनाश का प्रारंभ है। नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार, संसाधनों पर कब्जे की होड़ और धार्मिक कट्टरता-ये सभी समाज को खोखला करने वाले तत्व हैं, जो अंततः युद्ध का रूप ले लेते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भविष्य में सैमसन को बनाया जा सकता है भारतीय टी20 टीम का कप्तान : कैफ

एजेंसी, मुम्बई

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद अब सवाल उठाता है कि उनके बाद किसे कप्तानी दी जानी चाहिये। इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भविष्य में कप्तानी दी जा सकती है क्योंकि उन्हें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में कप्तानी का लंबा अनुभव है। कैफ के अनुसार सैमसन के पास वह अनुभव और मानसिक ठहराव है, जो किस कप्तान के पास होना जरुरी है। उन्होंने कहा, संजू ही कप्तान बन सकते हैं उसमें सभी योग्याताएं हैं। मेरा मानना है कि कप्तान वही अच्छा होता है जिसने दुनिया देखी हुई है। कैफ के अनुसार, किसी नए खिलाड़ी को सीधे कप्तानी सौंपना नुकसानदे हो सकता है, क्योंकि

उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कठिन हालातों का सामना नहीं किया होता है। कप्तानी के लिए कैफ ने आईपीएल के अनुभव को अहम बताया है। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करने से पहले खिलाड़ी को आईपीएल जैसे बड़े मंच पर अपने को एक लीडर के रूप में साबित करना चाहिए। सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स टीम की ओर से ऐसा किया है। उन्होंने कहा, कप्तान उसी को बनना चाहिए जिसने ट्रॉफी जिताई हो जिसने कप्तानी पहले करी हो जिसने आईपीएल में 100 150 मैच खेले हो। कैफ ने कहा कि संजू राजस्थान रॉयल्स को कप्तानी करते हुए फाइनल तक ले गये। । इस लंबे अनुभव की वजह से उन्हें मैदान पर गेंदबाजी बदलाव करने और दबाव के क्षणों में किसी प्रकार सही फैसले लेते हैं ये पता है।<कैफ ने सैमसन की तुलना वर्तमान और पूर्व कप्तानों से करते हुए परिपक्वता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा भी 30-32 साल की उम्र में भारतीय टीम के कप्तान बने थे, जब वे आईपीएल में पांच ट्रॉफियां जीतकर एक परिपक्व कप्तान बन गये थे। वहीं वर्तमान कप्तान सूर्यकुमार की प्रशंसा करते हुए कैफ ने उन्हें आईपीएल से परिपक्व हुआ क्रिकेटर बताया। उनका मानना है कि यदि भविष्य में सूर्या कप्तानी छोड़ते हैं, तो संजू सबसे उपयुक्त विकल्प होंगे। कैफ ने संजू की उम्र और फिटनेस को उनके पक्ष में बताया। संजू अभी 31 साल के हैं और कैफ के अनुसार, टी20 जैसे छोटे फॉर्मेट में अनुभव अधिक बहुत मायने रखता है। उन्होंने सैमसन के भविष्य को लेकर उम्मीद जताते हुए कहा, अगर फिटनेस बना के रखी है फॉर्म चलता रहा तो वह भारत के अगले कप्तान हो सकते हैं।

नमन अवॉर्ड्स में शुभमन सहित दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों का भी सम्मान करेगा बीसीसीआई

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 15 मार्च को नई दिल्ली में एक विशेष समारोह में शुभमन गिल, राहुल द्रविड़ सहित कई क्रिकेटरों को नमन अवार्ड देकर सम्मानित करेगा। शुभमन को जहां क्रिकेटर ऑल द ईयर वहीं पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में दिये अहम योगदान के लिए कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

शुभमन गिल-इस समारोह में टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को क्रिकेटर ऑल द ईयर का अवार्ड दिया जाएगा। शुभमन ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। इसके अलावा उनकी कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-2 से बराबरी पर रही थी।

अयुष म्हात्रे-वहीं अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को अंडर-19 विश्वकप जिताने के लिए कप्तान अयुष म्हात्रे को लाला अमरनाथ अवॉर्ड दिया जाएगा। यह पुरस्कार घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले ऑलराउंडर को दिया जाता है।

राहुल द्रविड़-पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड़ भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे अच्छे बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण उन्हें भारत की दीवार के नाम से जाना जाता है। वह संन्यास के बाद कोच के तौर पर भारतीय टीम को आगे बढ़ाते रहे। वह नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के भी प्रमुख रहे हैं।

मिताली राज-भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व महिला कप्तान मिताली राज को भी इस दौरान लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

एमसीए-वहीं मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट एसोसिएशन का पुरस्कार दिया जाएगा।

सूर्यकुमार ने अभिषेक से कहा था, 8 बार शून्य पर आउट हुआ तो भी पारी शुरु करेगा

एजेंसी , नई दिल्ली

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर मुश्किल दौर से गुजर रहे खिलाड़ियों का बचाव करते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि टीम को खिताबी जीत मिल रही है। टी20 विश्कप में सूर्या ने खराब दौर से गुजर रहे युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का हौंसला बढ़ाया था। अभिषेक तीन मैच में लगातार शून्य पर आउट होने के कारण भारी दबाव में थे और उन्हें बाहर किये जाने की मांग उठ रही थी पर सूर्यकुमार ने किसी भी बात पर ध्यान नहीं दिया। इसी कारण अभिषेक ने फाइनल में 18 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। सूर्यकुमार के अनुसार उन्होंने इस बल्लेबाज से कहा था कि कि अगर वह 9 में से 8 मैचों में भी खाता नहीं खोल पाएगा तो भी उसे फाइनल में पारी की

शुरुआत के लिए भेजा जाएगा। इसी कारण अभिषेक का आत्मविश्वास बना रहा और वह निडर होकर फाइनल खेलने उतरे। अभिषेक के लिए टूर्नामेंट की शुरुआत खराब रही थी। शुरुआत में पेट दर्द के कारण वह पहले मैच से बाहर रहे। इसके बाद के मैचों में वह तीन बार शून्य पर आउट हुए। इसी कारण पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने भी उन्हें फाइनल से बाहर करने को कहा था। गावस्कर का कहना था कि अभिषेक अपनी गलतियों से नहीं सीख रहे हैं और एक ही गलती को दोहरा रहे हैं। हालांकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिर भी उन्हें फाइनल में मौका दिया और अभिषेक ने उनके भरोसे को सही साबित करते हुए 18 गेंदों में ही टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया था।सूर्यकुमार ने कहा, "मैंने उससे कहा था, 'इस विश्व कप में 9 गेम हैं, भले ही आप उनमें से आठ में विफल हो जाएं, फिर भी मैं गारंटी लेता हूं कि आप फाइनल में पहली गेंद खेलोगे।'"

युवराज को बाहर किये जाने में धोनी की नहीं थी भूमिका : संदीप पाटिल

एजेंसी , मुम्बई

चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष संदीप पाटिल ने खुलासा किया है कि ऑलराउंडर युवराज सिंह को बाहर किये जाने के पीछे तत्कालीन कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की कोई भूमिका नहीं थी। पाटिल के अनुसार ये कहना कि धोनी ने युवराज को बाहर कराया गलत है। पाटिल के इस खुलासे युवराज के पिता योगराज सिंह को करारा जवाब मिला है जो हमेशा आरोप लगाते रहे हैं कि उनकी बेटे का करियर धोनी ने समाप्त कर दिया था। पाटिल का कहना है कि धोनी ने कभी भी किसी भी बैठक में युवराज को हटाने के लिए नहीं कहा था। पाटिल ने एक कार्यक्रम में कहा, 'धोनी ने कभी भी यह नहीं कहा कि युवराज को टीम से बाहर करो। साथ ही कहा कि मैं यह बात रिकॉर्ड के आधार पर कह रहा हूं।' पाटिल ने कहा कि धोनी को चयन समिति पर पूरा भरोसा था। उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा। वही युवराज के पिता योगराज

कई बार इस आरोप लगाते रहे हैं कि उनकी बेटे को बाहर किये जाने के पीछे धोनी था। योगराज ने कहा था, 'मैं धोनी को कभी माफ नहीं करूंगा. वह बहुत बड़े क्रिकेटर हैं, मैं उन्हें सलाम करता हूं, लेकिन उन्होंने मेरे बेटे के साथ जो किया, वह माफ करने लायक नहीं है अब सारी बातें सामने आ रही हैं और इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।' वहीं पाटिल ने योगराज के आरोपों को लेकर कहा कि एक पिता का अपने बेटे के लिए भावुक होना सामान्य बात पर है पर में उनसे कहूंगा कि वह गलत व्यक्ति पर आरोप लगा रहे हैं।

हार्दिक को पीठ पर तिरंगा बांधकर जश्न मनाना भारी पड़ा

वकील ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी

एजेंसी , पुणे

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी20 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के बाद अपनी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा के साथ जश्न मानना भारी पड़ है। हार्दिक जश्न के दौरान पीठ पर तिरंगा झंडा बांधे हुए थे और महिका के साथ अलग-अलग अंदाज में पोज दे रहे थे। इसी को लेकर एक वकील ने वाजिद खान ने पंड्या के खिलाफ राष्ट्रध्वज की गरिमा को ठेस पहुंचाने की शिकायल दर्ज करायी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भारतीय टीम की जीत के बाद सभी खिलाड़ी खुशी मना रहे थे। इस दौरान सभी तस्वीरें भी खिंचा रहे थे। इसी दौरान हार्दिक और उनकी गर्लफ्रेंड महिका की हरकतों पर शिकायतकर्ता वकील ने आपति जतायी है। उनका कहना है कि पंड्या जश्न मनाते हुए अपनी गर्लफ्रेंड के साथ नाच रहे थे जबकि उनकी पीठ पर राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। वहीं राष्ट्रीय ध्वज अधिनियम के अनुसार, हमें राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा का सम्मान करना चाहिए पर हार्दिक अपनी जीत के जश्न में इतने डूब गये थे कि वे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ राष्ट्रीय ध्वज बांधकर मैदान में लेटे नजर आये। जो राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है।

गौरतब है कि वाजिद के अलावा कई और लोगों ने भी हार्दिक और महिका की हरकतों को देखते हुए सोशल मीडिया पर इन दोनो को फटकारा है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार महिका के कारण ही हार्दिक पंड्या और उनके बड़े भाई क्रुणाल पंड्या के बीच मतभेद पैदा हो गये हैं। इसी कारण क्रुणाल न तो फाइनल देखने स्टेडियम पहुंचे थे और न ही उन्होंने उन्हें सोशल मीडिया पर ही बधाई दी। हार्दिक का अपनी पहली पत्नी और सर्बियाई मॉडल नताशा स्टानकोविक से तलाक को गया है। उसके बाद महिका उनकी जिंदगी में आयीं।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में निचले स्तर से रिकवरी का रुख, दबाव के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी की स्थिति में सुधार

नई दिल्ली। जबरदस्त वैश्विक दबाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान निचले स्तर से रिकवरी का रुख बनता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होने लगा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.68 प्रतिशत और निफ्टी 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टेक महिंद्रा, कोल इंडिया, ओएनजीसी, एनटीपीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 0.25 प्रतिशत से लेकर 0.01 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एटरनल, इंटरग्लोब एविएशन, टीएमपीवी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज ऑटो के शेयर 4.08 प्रतिशत से लेकर 2.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,616 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 441 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,175 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 25 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 4 शेयर हरे निशान में और 46 शेयर लाल

निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 494.06 अंक की कमजोरी के साथ 76,369.65 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक करीब एक हजार अंक टूट कर 75,871.18 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार भी हुआ। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 524.48 अंक की गिरावट के साथ 76,339.23 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 192 अंक फिसल कर 23,674.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले मिनट में ही यह सूचकांक उछल कर 23,690.85 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये थोड़ी ही देर में 310.55 अंक लुढ़क कर 23,556.30 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक ने निचले स्तर से रिकवरी शुरू कर दी। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 174.75 अंक की कमजोरी के साथ 23,692.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 1,342.27 अंक यानी 1.72 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,863.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 394.75 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,866.85 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

होर्मुज स्ट्रेट से गुजर कर मुंबई बंदरगाह पर सुरक्षित पहुंचा कच्चा तेल से भरा जहाज

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर एक बड़ा जहाज सुरक्षित मुंबई पोर्ट पर पहुंच गया है। इस जहाज में लगभग 1,35,335 मीट्रिक टन कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) लाया गया है। यह होर्मुज स्ट्रेट से गुजरकर भारत पहुंचने वाला पहला बड़ा क्रूड टैंकर है। ये जहाज उस समय भारत पहुंचा है, जब अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद ईरान के साथ युद्ध में समुद्री रास्तों पर खतरा बढ़ गया है। मुंबई पोर्ट अथॉरिटी के डिप्टी कंजर्वेटर प्रवीन सिंह ने बताया कि लाइबेरिया ध्वज वाला शेनलॉन्ग नाम का सुएजमैक्स ये जहाज 1,35,335 मीट्रिक टन से अधिक सऊदी क्रूड ऑयल लेकर बुधवार को दोपहर 1 बजे मुंबई बंदरगाह पर पहुंचा है। टैंकर खाली करने का कार्य शुरू कर दिया गया है, जो करीब 36 घंटे में पूरा होगा। इस क्रूड

ऑयल को मुंबई के महुल इलाके में रिफाइनरी भेजा जाएगा, जहां से इसे प्रोसेस कर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे उत्पाद बनाए जाएंगे। भारतीय कैप्टन सुक्षांत सिंह संधू के नेतृत्व में यह जहाज रास तनूरा बंदरगाह से 1 मार्च को लोड होकर निकला था और 8 मार्च को होर्मुज से गुजरा। जहाज पर 29 क्रू मेंबर्स थे। यह जहाज शेनलॉन्ग शिपिंग लिमिटेड का है और इसे एथेंस की डायनाकॉम टैंकर मैनेजमेंट कंपनी ऑपरेट करती है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी हद तक समुद्री जलमार्ग पर निर्भर है, क्योंकि देश के आधे से ज्यादा कच्चे तेल और गैस की सप्लाई इसी समुद्री रास्ते से होकर आती है। इस समय पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण कच्चे तेल के दाम भी तेजी से बढ़ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई है। ऐसे में भारत के लिए सुरक्षित तेल सप्लाई बनाए रखना बेहद अहम हो गया है।

ऑडी इंडिया एक अप्रैल से वाहनों की कीमतें दो फीसदी तक बढ़ाएगी

नई दिल्ली। जर्मनी की लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी ऑडी ने गुरुवार को अपने वाहनों की कीमतें दो फीसदी तक बढ़ाने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह भारत में अपने वाहनों की कीमतें एक अप्रैल से बढ़ाएगी। ऑडी इंडिया के ब्रांड निदेशक बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि हाल में कच्चे माल की लागत बढ़ने और रुपये में उतार-चढ़ाव के कारण हम 1 अप्रैल से कीमतों में अधिकतम दो फीसदी तक समायोजन कर रहे हैं। ढिल्लों ने बताया कि हम अपने ग्राहकों पर इस बढ़ोतरी का असर कम से कम रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कंपनी के मुताबिक कीमतों में ये बढ़ोतरी हर मॉडल पर लागू होगी। यह विभिन्न मॉडल की 'एक्स-शोरूम' कीमतों में अधिकतम दो फीसदी तक वृद्धि की जाएगी। ऑडी इंडिया भारत में वर्तमान में लग्जरी कार और एसयूवी की एक श्रृंखला बेचती है, जिनमें ऑडी क्यू3 से लेकर ऑडी आरएसक्यू8 तक के मॉडल शामिल हैं। इनकी कीमतें लगभग 43.23 लाख रुपये से 2.34 करोड़ रुपये के बीच हैं।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में मजबूती का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में मामूली कमजोरी नजर आ रही है। सोना आज 850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 930 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसके विपरीत चांदी की कीमत में आज 200 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,63,320 रुपये से लेकर 1,63,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,49,710 रुपये से लेकर 1,49,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,89,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,63,470 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,49,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट

सोना 1,63,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,63,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,49,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,63,320 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,49,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,63,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,49,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,63,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,49,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,49,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,63,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मजबूती का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,63,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,49,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जीएसपी क्रॉप साइंस का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 मार्च को खुलेगा

नई दिल्ली। अहमदाबाद की कृषि रसायन कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 16 मार्च को खुलेगा। इसमें निवेश के लिए निवेशक 18 मार्च तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 304–320 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी के शेयर 24 मार्च को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे। कंपनी ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि एंकर (बड़े) निवेशक 13 मार्च को बोली लगा पाएंगे। जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड ने अपने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 304–320 रुपये प्रति शेयर तय किया है। यह आईपीओ 240 करोड़ रुपये के नए शेयर और 160 करोड़ रुपये के 50 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इसमें

निवेश करने के लिए आपको कम से कम एक लॉट खरीदना होगा, जिसमें 46 शेयर होंगे। एक लॉट के लिए आपको कम से कम 14,720 रुपये का निवेश करना पड़ेगा। कंपनी की योजना इस आईपीओ से 400 करोड़ रुपये जुटाने की है। जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड नए निर्गम से प्राप्त 170 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल ऋण भुगतान के लिए किया करेगी। एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए रखा जाएगा। इस कंपनी को भारत में कीटनाशकों, शाकनाशियों, कवकनाशी और पादप वृद्धि नियामकों के विकास एवं निर्माण में 39 वर्ष से अधिक का अनुभव है।

जुनैद खान के फैसलों में दखल नहीं देते आमिर खान

बॉलीवुड स्टार आमिर खान इन दिनों अपने बेटे जुनैद खान की आगामी फिल्म 'एक दिन' को लेकर चर्चा में हैं। एक मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म का ट्रेलर हाल ही में जारी हुआ है, जिसमें जुनैद के साथ साई पल्लवी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर आमिर ने अपने बेटे के स्वभाव और उसके करियर से जुड़ी कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। एक बातचीत के दौरान आमिर खान ने बताया कि जुनैद अपने फिल्मी प्रोजेक्ट्स के चुनाव में उनसे सलाह नहीं लेते। उन्होंने कहा, "जुनैद मुझसे किसी भी प्रोजेक्ट के बारे में सलाह नहीं लेता। मुझे लगता है कि उसने दो फिल्में साइन की हैं और वह अपने फैसले खुद करता है। यह बहुत अच्छी बात है।" आमिर खान ने कहा कि स्वभाव के मामले में जुनैद काफी हद तक उनके जैसा है। उसे सिनेमा, पटकथा और संपादन की अच्छी समझ है और वह अपने फैसलों पर डटे रहने वाला इंसान है। अभिनेता ने यह भी बताया कि वह घर में सख्त पिता बनने की बजाय बच्चों के साथ दोस्त जैसा रिश्ता रखते हैं। उनके अनुसार इरा खान और आजाद राव खान के साथ भी उनका रिश्ता काफी सरल और दोस्ताना है।

बचपन से ही है शतरंज का शौक

आमिर ने यह भी बताया कि उन्होंने जुनैद को चार साल की उम्र में शतरंज खेलना सिखाया था। करीब 14 साल बाद, जब जुनैद 18 साल के हुए तब उसने पहली बार अपने पिता को इस खेल में हराया। आमिर के मुताबिक अब अक्सर जुनैद ही जीतते हैं।

सलमान खान के साथ जमेगी अब नयनतारा की जोडी

साउथ डायरेक्टर वामशी पैदिपल्ली बॉलीवड सुपर स्टार सलमान खान के साथ एक बड़ी एंटरटेनर फिल्म बना रहे हैं जिसकी हीरोइन नयनतारा हो सकती हैं। सलमान और नयनतारा की जोड़ी फैंस को पसंद आने वाली है। साल 2003 में आई फिल्म जवान में नयनतारा को शाहरुख खान के साथ रोमांस करते हुए देखा था। अब नयनतारा की जोड़ी सलमान के साथ भी जमने वाली है। वामशी के इस प्रोजेक्ट को दिल राजू प्रोड्यूस कर रहे हैं। बताया जा रहा है ये एक पैन इंडिया हिंदी फिल्म होगी जिसमें जबरदस्त एंटरटेनमेंट होने वाला है। हालांकि, अभी इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नयनतारा को शाहरुख खान के साथ जवान में देखा गया था। एक्ट्रेस की नॉर्थ इंडिया बेल्ट में कोई खास पॉपुलैरिटी नहीं है। लेकिन उनके काम को पसंद किया गया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। हालांकि कुछ के मुताबिक एक्ट्रेस का काम दीपिका के कैमियो के आगे फीका था। वामशी पैदिपल्ली की बात स्क्रिप्ट राइटिंग के साथ इन्होंने कई साउथ की सफल फिल्में बनाई हैं। वामशी ने साल 2007 में आई फिल्म मुन्ना से डायरेक्शन में कदम रखा था। इसके बाद साल 2010 में आई फिल्म वृंदावन, 2014 में येवाडू , 2016 उपिरी, 2019 महर्षि बनाई। फिल्म महर्षि ने नेशनल अवॉर्ड तक जीता था। बता दें, सलमान खान का फिल्मी करियर पिछले कुछ सालों से खास नहीं चल रहा है। उनकी पिछली फिल्में किसी का भाई किसी की जान, सिकंदर, टाइगर 3 ऑडियंस को खास पसंद नहीं आई थी। ऐसे में सलमान पर बेस्ट फिल्म देने का फैंस का प्रेशर है। फिल्म सिकंदर के बाद एक्टर ने अपने कुछ फैंस से मिले सुझाव पर विचार किया था। ऐसे में आने वाले दिनों में एक्टर को कई बड़े प्रोजेक्ट्स में देखा जा सकता है। सलमान फिलहाल बैटल ऑफ गलवान में बिजी हैं। इसके आलावा उनके पास वामशी के साथ फिल्म है जिसकी शूटिंग इस अप्रैल से शुरू होने की खबर है। फिल्म अगले साल तक ही थिएटर में रिलीज हो पाएगी। इसके अलावा किक का सीक्वल किक 2 और बब्बर शेर जैसी फिल्में आने की खबर है। सलमान आने वाले दिनों में अपनी नई फिल्म की जानकारी दे सकते हैं। बता दें कि बॉलीवुड

फिल्म

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अल्फा' की रिलीज डेट फिर बदली'

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अल्फा' की रिलीज डेट फिर बदल दी गई है। अभिनेत्री आलिया भट्ट और शर्वरी वाघ अभिनित इस फिल्म के बारे में काफी समय से चर्चा चल रही थी कि बेटल ऑफ गलवान के साथ संभावित क्लैश के कारण फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाई जा सकती है या फिर इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा सकता है। हालांकि अब फिल्म के मेकर्स ने साफ कर दिया है कि यह फिल्म सीधे सिनेमाघरों में ही रिलीज होगी, लेकिन इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। नई घोषणा के मुताबिक 'अल्फा' अब 10 जुलाई 2026 को

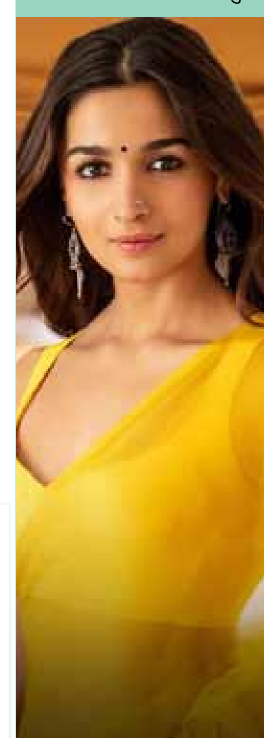

थिएटर्स में रिलीज होगी। मेकर्स ने फिल्म का नया टीजर पोस्टर जारी करते हुए इसकी नई रिलीज डेट का ऐलान किया। पोस्टर में अल्फा के प्रतीक चिन्ह के साथ आलिया भट्ट की झलक दिखाई गई है, जिससे फिल्म के एक्शन और स्पाई थीम का अंदाजा मिलता है। यह फिल्म एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें दर्शकों को दमदार स्टंट और हाई-वोल्टेज एक्शन देखने को मिलेगा। फिल्म में अनिल कपूर और बॉबी देओल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। खास बात यह है कि फिल्म में आलिया भट्ट और शर्वरी वाघ दोनों ही कई एक्शन सीक्वेंस करती दिखाई देंगी। दरअसल 'अल्फा' की रिलीज डेट इससे पहले भी दो बार बदली जा चुकी है। शुरुआत में इस फिल्म को क्रिसमस 2025 के मौके पर रिलीज करने की योजना थी, लेकिन बाद में इसे आगे बढ़ाकर 17 अप्रैल 2026 कर दिया गया। इसी तारीख पर सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' रिलीज होने वाली थी। माना जा रहा है कि बड़े क्लैश से बचने के लिए मेकर्स ने 'अल्फा' की रिलीज डेट फिर से आगे बढ़ा दी और अब इसे जुलाई 2026 में लाने का फैसला किया गया है। नई रिलीज डेट की जानकारी खुद आलिया भट्ट ने भी सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, "अल्फा 10 .07 .2026, सिनेमाज में मिलते हैं।" इस पोस्ट के बाद फैन्स के कई कमेंट्स सामने आए, जिनमें लोगों ने फिल्म के लिए उत्साह जाहिर किया। कई यूजर्स ने यह भी लिखा कि आलिया अक्सर फीमेल सेंट्रिक फिल्में चुनती हैं, जो काबिल-ए-तारीफ है।

उम्र बढने के साथ प्यार कम नहीं बल्कि गहरा होता है : सौरभ शुक्ला

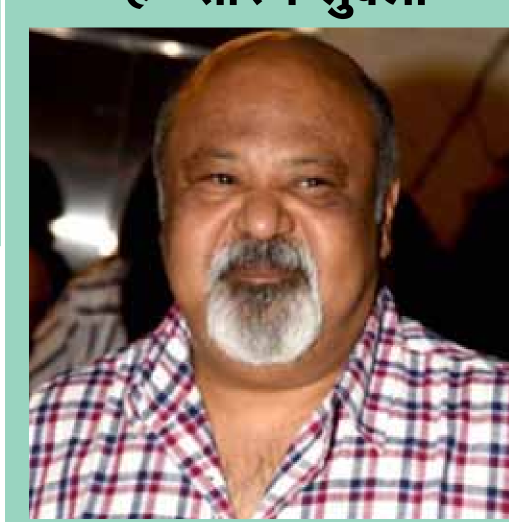

मुंबई (ईएमएस)। उम्र के साथ प्यार कम नहीं होता, बल्कि वह और भी गहरा, खूबसूरत हो जाता है। यह कहना है बॉलीवुड अभिनेता और फिल्ममेकर सौरभ शुक्ला का। सौरभ की नई फिल्म जब खुली किताब इसी विचार को केंद्र में रखकर बनी है, जिसमें एक बुजुर्ग दंपति की खुशहाल शादी की कहानी दिखाई गई है। बीते दिनों जी5 पर रिलीज फिल्म में गोपाल और अनुसूया नामक एक बुजुर्ग जोड़े की जिंदगी की कहानी दिखाई गई है, जो सालों से साथ निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी में दिखाया गया है कि सब कुछ सेटल लगता है, लेकिन अचानक एक पुराना राज खुलने से उनके रिश्ते में उथल-पुथल मच जाती है। इस दौरान प्यार, लंबे समय का साथ, माफी और एक-दूसरे को फिर से समझने की कोशिश की भावनाएं दिल को छू लेती हैं। कहानी में कॉमेडी के साथ-साथ भावुक पल भी हैं। अभिनेता सौरभ शुक्ला ने बताया कि फिल्म बढ़ती उम्र में रोमांस और साथ रहने के विषय को खूबसूरती से दिखाती है, जो हिंदी सिनेमा में अभी भी बहुत कम देखने को मिलता है। स्क्रिप्ट लिखते समय कई लोगों ने उनसे पूछा था कि क्या युवा दर्शक बुजुर्ग कपल की कहानी पसंद करेंगे? लेकिन सौरभ को इस पर कभी शक नहीं हुआ। उन्होंने बताया, "फिल्म में उम्रदराज कपल बाहर से भले ही बड़े लगें, लेकिन मन से वे जवान हैं। जब कोई भावनात्मक बदलाव आता है, तो उनकी युवा दिनों की भावनाएं फिर जाग उठती हैं। वे बच्चों की तरह लड़ते हैं, एक्सप्रेस करते हैं और इमोशंस बाहर निकालते हैं। ऐसे में यंगस्टर्स भी इस कहानी के साथ आसानी से जुड़ सकते हैं, क्योंकि यह दो बूढ़े दिखने वाले युवा दिलों की कहानी है।" सौरभ ने आगे कहा, सिनेमा में प्यार को ज्यादातर जवानी से जोड़ा जाता है। युवावस्था में प्यार ज्यादा फिजिकल और हार्मोनल होता है, जिसमें एक्साइटमेंट, जल्दबाजी और शारीरिक आकर्षण ज्यादा रहता है। लेकिन प्यार कभी खत्म नहीं होता। हम प्यार करना कभी बंद नहीं करते।

अभिनेताओं को तैयारी के लिए समय मिलना जरूरी : सुप्रिया पाठक

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के मां बनने के बाद उनके द्वारा कथित तौर पर 8 घंटे की शिफ्ट की मांग की बात सामने आई। इसके बाद फिल्म इंडस्ट्री में अलग-अलग सितारों ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखी। कुछ कलाकारों ने दीपिका का समर्थन किया, जबकि कुछ ने इसे अव्यावहारिक बताया।इसी मुददे को लेकर अब वरिष्ठ अभिनेत्री सुप्रिया पाठक भी सामने आई हैं और उन्होंने कलाकारों के लिए संतुलित कामकाजी समय की जरूरत पर जोर दिया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में सुप्रिया पाठक ने कहा कि कलाकारों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पर्याप्त तैयारी का समय मिलना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक अभिनेता के रूप में उन्हें अंततः दर्शकों के सामने ही प्रदर्शन करना होता है, इसलिए तैयारी का समय न मिलना कलाकार के काम को प्रभावित कर सकता है। उनके मुताबिक यदि किसी कलाकार को खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने का अवसर नहीं मिलेगा, तो वह दर्शकों के सामने पूरी क्षमता के साथ प्रदर्शन नहीं कर पाएगा। सुप्रिया ने यह भी स्पष्ट किया कि यह बात केवल महिला कलाकारों पर ही नहीं बल्कि पुरुष अभिनेताओं पर भी समान रूप से लागू होती है। सुप्रिया पाठक ने इस दौरान यह भी कहा कि महिलाओं और पुरुषों की चुनौतियां अलग-अलग होती हैं। उनके अनुसार अक्सर महिलाओं को एक ही समय में कई जिम्मेदारियों के बारे में सोचना पड़ता है, जबकि पुरुष आम तौर पर एक ही काम पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। यही वजह है कि महिलाओं के लिए काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाना और भी जरूरी हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाएं स्वभाव से ही सशक्त होती हैं, बस कई बार उन्हें अपनी क्षमता को पहचानने के लिए थोड़ी प्रेरणा की जरूरत होती है। इस विवाद पर निर्देशक अनुभव सिन्हा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह गॉसिप पर विश्वास नहीं करते और उन्होंने खुद कभी दीपिका के साथ काम नहीं किया है। हालांकि जिन लोगों ने उनके साथ काम किया है, उनके अनुसार दीपिका एक पेशेवर और काम के प्रति समर्पित अभिनेत्री हैं। अनुभव सिन्हा का मानना है कि अगर किसी कलाकार की मांगें निर्माताओं को गलत लगती हैं तो उनके साथ काम न करने का फैसला लिया जा सकता है। उनके मुताबिक ऐसे मुद्दों को सार्वजनिक विवाद बनाने के बजाय आपसी बातचीत से सुलझाया जाना चाहिए, क्योंकि फिल्म इंडस्ट्री में मतभेद होना सामान्य बात है। बता दें कि बॉलीवुड में पिछले कुछ समय से काम के घंटों और वर्क-लाइफ

पति से अलग रहती हूं

लेकिन रिश्ते में दरार नहीं है : दिव्या अग्रवाल

एक्ट्रेस दिव्या अग्रवाल ने अपनी शादी और पति अपूर्वा पडगांवकर से अलग होने की अफवाहों पर पहली बार खुलकर बात की है। रियलिटी शो 'द 50' के दौरान कंटेस्टेंट भाव्या सिंह ने दिव्या पर 'गोल्ड डिगर' होने का आरोप लगाया और यह भी दावा किया कि वह अपने पति से अलग हो चुकी हैं। अब दिव्या ने इन सभी आरोपों का करारा जवाब दिया है। एक इंटरव्यू में दिव्या ने स्पष्ट किया कि वह और उनके पति अलग-अलग रह रहे हैं, लेकिन उनके रिश्ते में कोई दरार नहीं आई है। उन्होंने कहा, "हां, मैं अपने पति अपूर्वा से अलग रह रही हूं। मैं अपने काम की जगह के करीब रहती हूं और वह अपनी वर्कप्लेस के पास। हम अभी भी लवर्स की तरह मिलते हैं। हमारी शादी और प्यार दोनों पहले की तरह जीवित हैं। लोग आधी-अधूरी जानकारी के आधार पर अफवाहें फैला रहे हैं।" भाव्या सिंह द्वारा लगाए गए 'गोल्ड डिगर' के आरोप पर दिव्या ने मजेदार अंदाज में पलटवार किया। उन्होंने कहा, "मैं गोल्ड डिगर नहीं हूं, लेकिन मैं खुद को डायमंड डिगर कहलवाना पसंद करूंगी। मेरे पति हीरा हैं।" दिव्या ने यह भी बताया कि शो से बाहर आने के बाद उनके पति की प्रतिक्रिया कैसी रही। उन्होंने कहा, "जब मैं शो से बाहर आई तो अपूर्वा ने मुझे ढेर सारे स्वादिष्ट व्यंजन खिलाए। मुझे लगता है कि केवल खाना ही मुझे ठीक कर सकता है। वह मेरी दुनिया से काफी दूर हैं और बस यही चाहते हैं कि मैं खुश और स्वस्थ रहूं। यहां तक कि उन्होंने मुझसे पूछा कि मैं शो क्यों नहीं जीत पाई, जिस पर मेरा जवाब था कि हर शो को जीतना जरूरी नहीं है।" दिव्या अग्रवाल ने बिजनेसमैन अपूर्वा पडगांवकर से फरवरी 2024 में पारंपरिक मराठी रीति-रिवाजों के साथ शादी की थी। शादी के कुछ ही महीनों बाद अलगाव की अफवाहें उड़ीं, जिसे दिव्या ने सोशल मीडिया के जरिए खारिज किया था। उन्होंने साफ लिखा था कि उनकी शादी में सब कुछ ठीक है। इसके बाद हाल ही में दोनों ने अपनी एनिवर्सरी पर भी सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर अपने रिश्ते की मजबूती दिखाई। (ईएमएस)

कभी सड़कों पर सोकर गुजारीं थी रातें अब ओटीटी पर स्टार बनकर चमक रहे गुलाटी

मुंबई(ईएमएस)। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की चकाचौंध के पीछे अक्सर संघर्ष की ऐसी कहानियां छिपी होती हैं, जो किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं लगतीं। नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज कोहरा के दूसरे सीजन में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाने वाले अभिनेता विख्यात गुलाटी आज इंटरनेट के नए फेवरेट बन गए हैं। लेकिन कोहरा के जॉनी मलंग बनने तक का उनका सफर बेहद कड़वी हकीकत और कठोर संघर्षों से भरा रहा है। एक समय ऐसा भी था जब विख्यात के पास सिर छिपाने की जगह तक नहीं थी और उन्हें मुंबई की सड़कों पर रातें गुजारनी पड़ी थीं। विख्यात को पहली बड़ी पहचान यूथ ड्रामा सीरीज फ्लेम्स के एक वायरल सीन से मिली। इसमें छोटे भाई का साथ देने और माता-पिता के सामने स्टैंड लेने वाले उनके किरदार निखिल को युवाओं ने काफी पसंद किया। इस सीन के वायरल होने के बाद न केवल पब्लिक उन्हें पहचानने लगी, बल्कि उनके अपने परिवार का दबाव भी कम हुआ। कोहरा सीजन 2 में जॉनी मलंग के रोल के लिए करीब 150 लोगों का ऑडिशन हुआ था, लेकिन एक रिहर्सल वीडियो ने मेकर्स को इतना प्रभावित किया कि विख्यात को यह अहम रोल मिल गया। आज विख्यात गुलाटी उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा हैं जो बिना किसी गॉडफादर के अपनी दृढ़ता के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाना चाहते हैं। दिल्ली में जन्मे और पले-बढ़े विख्यात का थिएटर से लगाव बचपन से ही था। स्कूल के दिनों से ही वे स्टेज पर सक्रिय रहे, हालांकि उनका पहला अनुभव काफी दिलचस्प रहा। प्री-स्कूल में एक जोकर का मोनोलॉग करते समय वे स्टेज पर चढ़ते ही रोने लगे थे। लेकिन इस शुरुआती झिझक के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। दिल्ली यूनिवर्सिटी के माहौल ने उनके भीतर के कलाकार को तराशा और वे एक्टिंग के साथ-साथ लाइटिंग डिजाइनिंग और डायरेक्शन की बारीकियां भी सीखने लगे।

President emphasises water conservation at 'Jal Mahotsav'

New Delhi, Agency: The President of India, Droupadi Murmu, graced and addressed the ongoing "Jal Mahotsav 2026" in New Delhi on Wednesday, highlighting the critical role of water conservation in securing the nation's future.

Speaking at the event, the President said water in India was not merely a basic amenity, but deeply intertwined with culture, traditions, livelihood and community life. She recalled how villagers, especially women and children, often had to walk long distances to fetch drinking water. "Providing clean water was not just a matter of convenience, it was a matter of time, health, and dignity," she noted.

She praised the Government of India's Jal Jeevan Mission for ensuring that rural households now have access to clean and safe drinking water, stressing that community participation is essential for sustainable water management. "When responsibility for a resource is shared by the entire society, its conservation becomes more effective," she said.

The President welcomed initiatives like

"Jal Arpan Diwas", which formalises the handover of water supply infrastructure to gram panchayats, strengthening local ownership.

The President also acknowledged the significant role of self-help groups in water testing, operations and maintenance, stating that empowering women through these groups has brought positive changes in villages. She said multi-pronged efforts, including greywater management under the Clean India Mission, collaboration with the Central Groundwater Board and campaigns like Catch the Rain and Jal Sanchay Jan Bhagidari, are crucial to ensuring water security.

Emphasising collective responsibility, Murmu said, "Water is not merely a commodity but a priceless asset for future generations. To secure our future, we must make water conservation an integral part of our lives." She expressed confidence that "Jal Mahotsav" will inspire a mass movement for water security across the country, particularly by engaging the younger generation. Organised by the Ministry of Jal Shakti, Jal Mahotsav 2026 is a nationwide campaign running from March 8 to March 22, aimed at strengthening community participation in rural drinking water service delivery under the Jal Jeevan Mission.

At 36.8°Celsius, hottest day in Delhi; rain on March 15 to bring relief

New Delhi, Agency: A day after a seasonal haze, Delhi saw the warmest day of the year when the maximum temperature at Safdarjung, the city's base station, climbed to 36.8 degrees Celsius.

The maximum temperature on Wednesday was also the highest in the first half of March (before Mar 15) at least since 2011 or at least 15 years. This was eight degrees above the season's normal.

The city also saw four consecutive days of maximum temperatures above 35 degrees till Tuesday, when the temperature recorded was 35.5 degrees Celsius. This was seven degrees above normal. The temperature rose further because of the clear skies and warmer winds on Wednesday.

Ayanagar and the Ridge area were the warmest at 37.4 degrees Celsius, followed by Lodhi Road at 37.1 degrees Celsius. Prior to Wednesday, the highest temperature recorded was 35.7 degrees Celsius on March 7. Last year on March 26, the maximum had risen to 38.9 degrees Celsius.

Cancer deaths in Delhi rise 13pc in 4 yrs: Health Ministry tells Rajya Sabha

New Delhi, Agency: The national capital has recorded a nearly 13 per cent rise in cancer-related deaths over the past four years, according to data shared by the Union Ministry of Health and Family Welfare in the Rajya Sabha.Replying to a question during the ongoing parliamentary session, Minister of State for Health and Family Welfare Prataprao Jadhav presented state and Union Territory-wise data on cancer incidence and mortality.

According to the figures, cancer deaths in Delhi increased from 14,494 in 2021 to 16,312 in 2025. The mortality numbers rose steadily during the period, reaching 14,917 in 2022, 15,386 in 2023 and 15,842 in 2024 before climbing further in 2025.

Cancer incidence in the Capital has also shown a consistent rise. The number of cases increased from 25,969 in 2021 to 29,238 in 2025. The data shows 26,735 cases in 2022, 27,561 in 2023 and 28,387 in 2024. Responding to a question on possible causes behind the disease, the minister cited findings shared by the Indian Council of Medical Research. According to a review published in 2025, the contamination of water sources by pollutants such as industrial waste, pesticides, heavy metals and pharmaceutical residues is emerging as a significant public health concern.

The review analysed current scientific evidence and highlighted an association between contaminated water and certain types of cancers, including rectal and colorectal cancers.

The Union government also informed Parliament about measures being taken to strengthen cancer care infrastructure across the country. Under the "Strengthening of tertiary care cancer facilities" scheme, 19 state cancer institutes and 20 tertiary care cancer centres have been approved nationwide to improve access to specialised treatment.

The government also highlighted that treatment for major non-communicable diseases, including cancer, is covered under the Ayushman Bharat - Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana, which provides health coverage of up to Rs 5 lakh per family annually for secondary and tertiary hospitalisation at empanelled public and private hospitals.

The minister said initiatives such as the Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Pariyojana and AMRIT pharmacies are helping improve access to affordable cancer medicines, implants and other essential treatment components, reducing out-of-pocket expenditure for patients.

Illegal arms seizures shot up 8% last year

New Delhi, Agency: Amid multiple incidents of shootings reported in recent times, Delhi Police has stepped up its crackdown on illegal firearms sellers, with seizures going up by 8% last year. A total of 1,897 firearms were seized in 2025, up from 1,750 in 2024, officers said.

Police attributed the rise largely to a series of coordinated enforcement operations carried out throughout the year, targeting illegal arms networks. Investigators said many of the seized weapons were illegally manufactured in areas such as Munger, Lakhisarai and Khagaria in Bihar and Sendhwa, Dhar, Burhanpur and Khargone in Madhya Pradesh, which had long been associated with such activitities. The number of people arrested with illegal weapons under Arms Act have also gone up - 4,196 people last year against 4,074 in 2024.

A senior officer said tracking gunrunners had become increasingly complex due to their evolving communication methods and movement patterns. Many traffickers communicate through social media platforms, online gaming networks and messaging applications, allowing them to coordinate transactions discreetly and avoid leaving digital trails. "Even when we obtain their phone numbers, they often try to outsmart investigators. They may leave the traced phone number at home and carry a different number while travelling to buy or deliver weapons," the officer said.

Traffickers also frequently alter their travel routes and switch modes of transport, moving between buses, trains, private vehicles and motorcycles, to evade surveillance and make it harder to track their movements, police added.

Another officer said several arrests were made after people displayed weapons on social media platforms, which helped investigators identify and track them.

Data shows an 11.5% increase in the recovery of countrymade pistols - 1,580 such weapons were seized last year against 1,417 in 2024.

Officers said countrymade pistols were cheaper and easier to manufacture than factory-made firearms, making them more common in criminal activity. "A good-quality countrymade pistol costs around Rs 10,000, while standard factory-made pistols usually start from Rs 35,000. These weapons do not require heavy infrastructure to manufacture; even a small workshop or a single room is enough," the officer said, adding that low production cost and minimal equipment requirement contribute to their widespread availability. According to the data, 317 other firearms were also seized last year against 333 in 2024.

Devesh Chandra Srivastava, special commissioner of police (crime & PMMC), said police had launched operations such as Kavach and Aaghat to dismantle illegal firearms syndicates and curb their circulation.

"We are not only arresting traffickers but are also targeting the main sources of weapon supply," he said, adding that the focus of the operations is to break the entire supply chain behind the illegal arms trade. "We are also monitoring social media platforms for the display of weapons, violating the laws."

Last year, police also launched initiatives to crack down on the online glorification of weapons, which has become increasingly common among youths. Many young people post such content to gain rapid social media validation and increase their follower count, while others do so for thrill-seeking or to project a sense of dominance. Peer pressure often plays a role, pushing youths to imitate risky behaviour they see online. Popular culture, music trends, and influencer or gangster-style imagery further influence these actions, making the portrayal of weapons seem fashionable or aspirational.

Fire breaks out at Mansa Ram Park shanties in south-west Delhi; several jhuggis gutted, no casualties

New Delhi, Agency: A fire broke out at the Mansa Ram Park shanties near the Matiala fish market in south-west Delhi's Uttam Nagar on Wednesday night, gutting several jhuggis in the early hours of Thursday. No casualties were reported, police said.

According to police, a PCR call about a major blaze at the shanty cluster in Mansa Ram Park was received at Bindapur police station around 11.57pm on Wednesday. Police teams rushed to the spot and evacuated residents from the huts as the fire spread rapidly through the settlement.

Delhi Fire Service (DFS) was alerted and around 28 fire tenders were pressed into service to douse the flames. Officials said the firefighting operation continued for several hours before the blaze was finally brought under control around 3am on Thursday.

Authorities said several shanties were damaged or destroyed in the fire.

Police also noted that a fire had broken out at the same location earlier this month. On Mar 7, police had received a PCR call regarding a blaze at the site, which was extinguished with the help of eight fire tenders. No injuries were reported in that incident either. A case was registered at Bindapur police station under the Bharatiya Nyaya Sanhita in connection with the earlier fire.

The land where the shanties stand is privately owned, though its ownership is currently under dispute, police said, adding that there had been multiple complaints in the past about illegal garbage dumping at the site and instances of waste being set on fire.

SC asks Centre to frame law on euthanasia, says legislative vacuum is not in public interest

New Delhi, Agency: Highlighting legislative inaction on the crucial issue of passive euthanasia despite the "pious hope" expressed by it eight years ago to frame a law, Supreme Court again on Wednesday urged the Centre to bring legislation addressing the practice of euthanasia and/or the withdrawal of medical treatment as it is related to right to life with dignity.

A bench of Justices J B Pardiwala and K V Viswanathan said that a law had not been framed despite two law commission reports and several private members' bills being introduced in Parliament, but there was no sustained legislative deliberation on the issue. It said that court's intervention to frame guidelines was never intended to supplant legislative wisdom, but only to operate as a temporary constitutional bridge until Parliament discharges its role.

"There are moments when legislative inaction speaks more loudly than legislative action, and the absence of regulation with regard to the issue at hand presents one such instance.

Political leaders congratulate L-G Sandhu

New Delhi, Agency: Political leaders across party lines on Wednesday congratulated Taranjit Singh Sandhu on assuming charge as the Lieutenant Governor of Delhi, expressing hope that his experience and leadership would contribute to the development and governance of the national capital.

Praveen Khandelwal, MP from Chandni Chowk, extended his best wishes to the newly appointed Lieutenant Governor and described him as an experienced and visionary administrator with a distinguished diplomatic career.

Khandelwal said Sandhu's administrative acumen, global exposure and deep policy understanding would help take Delhi to new heights of development and good governance. He expressed confidence that under Sandhu's leadership, the city would move towards becoming a more organised, safe, clean and citizen-friendly Capital.

Khandelwal also appreciated the contributions of former L-G VK Saxena, saying his tenure was marked by proactive leadership and a development-oriented approach. He said initiatives related to infrastructure development, administrative reforms and expansion of public facilities gained momentum during Saxena's tenure.

Devender Yadav, president of the Delhi Pradesh Congress Committee, also welcomed Sandhu's appointment and said the people of Delhi expect him to play a proactive role in improving infrastructure and governance in the city.

Yadav said the Congress, as a responsible opposition, has consistently raised issues concerning residents and hoped the new L-G would focus on addressing infrastructure gaps and administrative challenges.

He also criticised the Delhi Government led by Rekha Gupta, alleging that several election promises, including financial assistance to women and subsidised cooking gas cylinders, have not been implemented.

Yadav expressed hope that the new L-G would use his administrative experience to strengthen governance and address the concerns of residents in the national capital.

Meanwhile, Naresh Kumar, senior spokesperson of the Delhi Pradesh Congress Committee, also congratulated Sandhu and conveyed his best wishes for a successful tenure.

Row over JNU VC's remark escalates

New Delhi, Agency: As the row over alleged casteist remarks made by Jawaharlal Nehru University vice-chancellor Santishree Dhulipudi Pandit continues, JNU Students' Union on Wednesday announced the results of a campus referendum seeking her removal, claiming that 2,181 students had voted in favour of her ouster. The referendum, however, has been questioned by a section of students and faculty members, who say the union has no statutory authority to conduct a vote seeking the removal of a VC.

The exercise, conducted on March 10 across different schools of the university, saw 2,409 students cast their votes, of whom 207 voted for the continuation of the VC, while 21 ballots were declared invalid, JNUSU said. The university has around 9,000 students across multiple disciplines. The union said the exercise was aimed at "democratically ascertaining the opinion of the student community" on whether Dhulipudi Pandit should continue in office in light of her alleged remarks and what it described as administrative irregularities.